JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

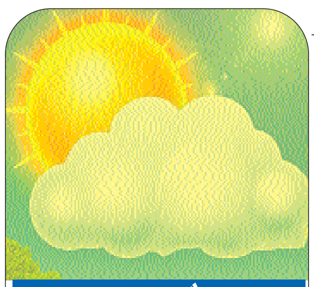

आज का मौसम

अधिकतम	: 25
न्यूनतम	: 13
हवा में नमी	: 98

वर्ष : 66 ● अंक: 93 ● श्रीगंगानगर, मंगलवार, 25.02.2025, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ :8

विधानसभा में गतिरोध जारी, स्पीकर के आंसू छलके

» डोटासरा विधायक बनने योग्य नहीं : देवनानी » कांग्रेस विधायकों की सुरक्षाकर्मियों से धक्कामुक्की

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी आज सदन में फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर उनका अपमान करने व अपशब्द कहने के आरोप लगाए। देवनानी ने कहा कि मैं भी पांच बार से सदन में आया हूं मैं कभी ऐसे शब्द नहीं सुने। मैंने कभी पक्षपात नहीं किया लेकिन फिर भी ऐसे आरोप लगाते हैं तो दुख होता है। यह सब सुनने के बाद मुझे भी यह लगता है कि वह विधायक बनने के योग्य भी नहीं है लेकिन इसका फैसला में सदन पर छोड़ता हूं। दरअसल, राजस्थान विधानसभा में इंदिरा गांधी पर सरकार के मंत्री की टिप्पणी के बाद से गतिरोध चल रहा है। कांग्रेस के निलंबित विधायकों ने आज जबरन विधानसभा में घुसने की भी कोशिश की। उनकी सुरक्षकर्मियों के साथ धक्कामुक्की भी हुई। वहीं, विधानसभा के बाहर गोविंद सिंह डोटासरा ने दावा किया है कि- संसदीय कार्य मंत्री ने उनसे कहा था कि हमारा स्पीकर तो जैसा है वैसा है यह काम की भी बात नहीं मानेगा। डोटासरा ने कहा कि कि सरकार में मतभेद है, सहमति में मेरी व्यक्तिगत माफी पर कोई बात नहीं हुई थी। निलंबन की कार्यवाही को लेकर कांग्रेस ने आज विधानसभा के बाहर करीब एक घंटे तक धरना दिया। दरअसल, विधानसभा में पिछले 5 दिन से चल रहा गतिरोध जारी है। इंदिरा गांधी पर मंत्री की टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद खत्म होने की जगह बढ़ गया है। कांग्रेस विधायकों ने कल सदन से धरना खत्म कर दिया था। लेकिन अब निलंबित विधायकों की बहाली और इंदिरा गांधी को आपकी दादी टिप्पणी मामले में मंत्री अविनाश गहलोत से माफी मंगवाने तक सदन नहीं चलने देने का फैसला किया है। इस पूरे मसले पर कांग्रेस के 6 विधायक निलंबित हैं। सोमवार को सदन में गोविंद सिंह डोटासरा के साफ तौर पर माफी नहीं मांगने के बाद वार्ता के प्रयास भी रुक गए हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बने गतिरोध में अब स्पीकर के अपमान का मुद्दा भी जुड़ गया है। सोमवार दिन में सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद डोटासरा के स्पीकर को लेकर किए गए अपशब्दों से भी बात बिगड़ी। इससे छहों विधायकों की निलंबन बहाली अटक गई और सदन में फिर डेडलॉक बन गया। सोमवार को ही कांग्रेस के सभी निलंबित विधायक भी सदन से बाहर निकल गए, अब वे फिर सदन में नहीं जा सकते।

यूक्रेन जंग पर यूएन में अमेरिका रूस के साथ

● वोटिंग में भी साथ दिया, भारत गैरहाजिर रहा

जनमार्ग न्यूज

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा में यूक्रेनी प्रस्ताव के खिलाफ रूस के समर्थन में वोटिंग की। यूक्रेन ने रूस के साथ युद्ध को 3 साल पूरे होने पर ह में एक प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव में रूसी हमले की निंदा करने और यूक्रेन से तत्काल रूसी सेना को वापस बुलाने की मांग की गई थी। अमेरिका ने अपनी पुरानी नीतियों के उलट साथी यूरोपीय देशों के खिलाफ जाकर इस प्रस्ताव के विपक्ष में मतदान किया। जबसे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरुआत हुई, तब से पहली बार अमेरिका और इजराइल ने यूक्रेन के खिलाफ वोट किया है। जबकि भारत और चीन समेत 65 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। प्रस्ताव का समर्थन करने वालों में जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे प्रमुख यूरोपीय देश शामिल हैं। यह प्रस्ताव 18 के मुकाबले 93 मतों से पारित हो गया।

श्रीविजयनगर में बेकाबू ट्रैक्टर-टैंकर पलटा

● नीचे दबने से ड्राइवर की मौत, जांच में जुटी पुलिस

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले के श्रीविजयनगर कस्बे में शिवपुरी मार्ग पर सोमवार रात करीब 8 बजे ट्रैक्टर-टैंकर पलटने से ड्राइवर की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शिवपुरी के पास हुआ, जहां ट्रैक्टर ड्राइवर रिछपाल (40 वर्ष) की अचेत अवस्था में शव बरामद हुआ। वह ट्रैक्टर पर सवार होकर जा रहा था। तभी अचानक ट्रैक्टर-टैंकर का संतुलन बिगड़ गया और अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर का ड्राइवर नीचे दब गया था। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और एम्बुलेंस को दी। इसके बाद रिछपाल को आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में शव की पहचान रिछपाल पुत्र अमर सिंह, निवासी 29 जीबी शिवपुरी के रूप में की गई। रिछपाल के शव को मॉर्चुरी में रखवाया गया। मंगलवार सुबह पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। श्रीविजयनगर पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और इस हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह हादसा ट्रैक्टर-टैंकर के अनियंत्रित होकर पलटने से हुआ है। फिलहाल पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए सभी एंगल से जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

रेप-ब्लैकमेल कांड के 4 आरोपियों को जेल भेजा

जनमार्ग न्यूज

अजमेर। बिजयनगर में हुए रेप-ब्लैकमेल कांड में 5 दिन के पुलिस रिमांड के बाद मंगलवार को चारों आरोपियों को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 4 आरोपियों को जेल भेजने का आदेश दिया। बिजयनगर थाना प्रभारी करण सिंह की अगुवाई में आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर अजमेर पॉक्सो कोर्ट में सीओ रूद्रप्रकाश के नेतृत्व में 4 थानों की पुलिस बल तैनात रहा। इस बीच, आरोपियों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग को लेकर सर्व समाज की ओर से मसूदा बाजार बंद रखा गया। मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पकड़े गए 3 नाबालिग बाल सुधार गृह में है। आरोपी लुकमान उर्फ सोहेब (20), सोहेल मंसूरी (19), रिहान मोहम्मद (20) और अफराज (18) को 5 दिन का रिमांड पूरा होने पर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। जब बच्चियां स्कूल जाती थीं, तो आरोपी उन्हें रास्ते में रोक लेते थे।

महाशिवरात्रि के बाद प्रदेश के सात जिलों में होगी बारिश

जयपुर (जनमार्ग न्यूज)। राजस्थान में आज से तापमान में बढ़ोतरी होगी और दिन में गर्मी बढ़ेगी। अगले 24 से 28 घंटे के दौरान तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने का अनुमान है। हालांकि, महाशिवरात्रि (26 फरवरी) के अगले दिन से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इस कारण 7 जिलों में बादल छाने, आंधी चलने और कहीं-कहीं बारिश होने की भी संभावना है।

प्रेमिका और परिवार के 4 लोगों की हत्या, मां गंभीर

जनमार्ग न्यूज

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम के वेंजारामूडू में सोमवार शाम 23 साल के युवक ने 5 लोगों की हत्या कर दी। आरोपी ने अपनी प्रेमिका, भाई, दादी, चाचा और चाची की चाकू-हथौड़ा से बेरहमी से हत्या की। इसके बाद आरोपी ने मां पर हमला कर उन्हें भी मारने की कोशिश की। युवक ने पूरी प्लानिंग के साथ तीन अलग-अलग जगह पर घटना को अंजाम दिया। फिर वेंजारामूडू पुलिस थाने जाकर सरेंडर किया और अपराध कबूला। थाने में आरोपी ने बताया कि उसने अपनी मां, प्रेमिका समेत 6 लोगों की हत्या की है। आरोपी का नाम अफ्फान है। पुलिस ने अब तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जिसमें आरोपी का भाई अहसन, दादी सलमा बीवी, चाचा लतीफ, चाची शाहिदा और उसकी प्रेमिका फरशाना शामिल हैं। आरोपी के खिलाफ 2 पुलिस स्टेशन में तीन मामले दर्ज किए गए हैं।

दो सांडों की लड़ाई में व्यक्ति की मौत

● फल खरीदने जा रहा था, हादसे के बाद लोगों में आक्रोश

जनमार्ग न्यूज

सादुलशहर। श्रीगंगानगर में आवारा सांडों की लड़ाई के दौरान चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। झगड़ते हुए सांडों ने व्यक्ति को टक्कर मारी। मामला सादुलशहर बस स्टैंड के पास शुक्रवार दोपहर का है। जिसका वीडियो अब सामने आया है। समाजसेवी हरफूल सिंह यादव ने बताया कि वार्ड नंबर 17 निवासी श्योकरण (55) पुत्र गोवर्धन दास अपनी गर्भवती पुत्रवधू को सादुलशहर के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाने के बाद अस्पताल से भगत सिंह चौक की ओर फल और सब्जी लेने जा जा रहा था। रास्ते में मुथूट फाइनेंस के पास दो सांड लड़ते हुए आए और श्योकरण को चपेट में ले लिया। समाजसेवी ने बताया कि सांडों ने श्योकरण को जोरदार टक्कर मारी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत उठाकर अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे श्रीगंगानगर रेफर कर दिया। श्रीगंगानगर पहुंचने के बाद श्योकरण की इलाज के दौरान मौत हो गई। श्योकरण ट्रैक्टर ड्राइवर था। हादसे के बाद लोगों में आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन से निराश्रित पशुओं से निजात दिलाने की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सिख बाप-बेटे की हत्या मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष जज कावेरी बावेजा ने दोपहर 2 बजे के बाद फैसला सुनाया। कोर्ट ने 21 फरवरी को सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीड़ित पक्ष ने सज्जन कुमार के लिए मौत की सजा की मांग की थी। सज्जन को 12 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी ठहराया था। मामला दंगों में सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़ा है।

एससी-एसटी वर्ग को देश की मुख्य धारा में शामिल करने का प्रयास कर रहा है आयोग: राजेन्द्र नायक

● अनुसूचित जाति-जनजाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष पहुंचे श्रीगंगानगर ● राजेन्द्र नायक ने कही सभी वर्गों के सहयोग से एससी-एसटी वर्ग के उत्थान की बात

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। अनुसूचित जाति - जनजाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष राजेंद्र नायक ने कहा कि आयोग एससी-एसटी वर्ग को देश की मुख्य धारा में शामिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के सहयोग से ही एससी-एसटी वर्ग का उत्थान हो सकता है। अपने एक दिवसीय श्रीगंगानगर प्रवास कार्यक्रम के दौरान राजेन्द्र नायक सर्किट हाउस में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज देश की आबादी का हर आठवां व्यक्ति एससी वर्ग से संबंधित है और एसटी वर्ग को मिला दे तो यह संख्या 5 वें व्यक्ति तक पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि देश का यह वो वर्ग है जो सबसे अभावग्रस्त वर्ग है और इसलिए हम इसे सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और राजस्थान के विकास पुरुष भजनलाल शर्मा की सोच को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए ही एससी-एसटी वित्त एवं विकास आयोग अपना सर्वस्व योगदान दे रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एससी-एसटी वर्ग को समृद्ध बनाने के लिए उद्योग विभाग के साथ मिलकर जिला स्तर पर बड़े उद्योग लगाने के लिए सामान्य वर्ग के व्यक्तियों के साथ एससी एसटी वर्ग के लोगों को पार्टनरशिप के तहत प्रोजेक्ट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले एक वर्ष के अंदर इस प्रकार का उद्योग श्रीगंगानगर जिले में भी धरातल पर नजर आएगा। उन्होंने कहा की सफाई कर्मचारियों की भर्ती रद्द होने से एससी एसटी वर्ग के लोगों को बहुत अधिक नुकसान हुआ है और उनके आयोग की कोशिश है कि इस संबंध में जो भी सरकार के स्तर पर सकारात्मक प्रयास किये जा सकते हैं वे किए जाएंगे। आपको बता दें कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के मुख्य कार्यो में अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करना, एससी-एसटी वर्ग के आर्थिक कल्याण के लिए वित्तीय सहायता देना, उनके लिए लघु, कुटीर और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देना व कौशल विकास और प्रशिक्षण देना तथा आर्थिक सशक्तिकरण के लिए धन जुटाना सम्मिलित हैं। इसके साथ ही एससी-एसटी वित्त एवं विकास आयोग इस वर्ग के ग़रीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को वित्तीय मदद उपलब्ध करवाने, अनुसूचित जाति के लोगों के लिए ट्रेडों और दूसरे अहम आर्थिक कामों की पहचान करने, अनुसूचित जाति के लोगों के लिए स्वरोज़गार परियोजनाओं और कौशल प्रशिक्षण अनुदान की स्थापना करने और भारत और विदेश में व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रम करने के लिए अनुसूचित जाति के पात्र विद्यार्थियों को ऋण देने का काम करता है।

For Rent

Ground Floor 30×60=1800sqft Hall, 20-Vinayak Vihar , Sihag Hospital Front, Baba Ramdev Mandir Road, Near Perfect Coaching, Sri Ganganagar.

Plz Contact:-
80057-63176,
63787-71898

वुशू चैंपियन को रिंग में आया हार्ट-अटैक

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर के डिस्ट्रिक्ट चैंपियन मोहित शर्मा (21) को मैच के दौरान हार्ट अटैक आ गया और उनकी मौत हो गई। ये टूर्नामेंट मोहाली (पंजाब) स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में चल रहा था। शर्मा करीब तीन दिन पहले ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी वुशू चैम्पियनशिप में भाग लेने गए थे। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मोहाली के सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। राजस्थान यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने बताया कि टूर्नामेंट के आयोजन में उनकी कोई भूमिका नहीं है। ऑर्गेनाइजर दीपक कुमार ने बताया कि मोहित पहला राउंड जीत चुके थे। दूसरे राउंड में भी वह आगे चल रहे थे। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में चल रहे मैच के दौरान रिंग में उतरते ही तबीयत बिगड़ गई और मुंह के बल गिर गए। इस दौरान वहां मौजूद रेफरी ने उन्हें उठाने का प्रयास भी किया। इसके बाद रिंग से उसे नीचे लाया गया। मोहित की रिंग में ही मैच खेलते-खेलते मौत हो गई थी। एसएचओ कमल तनेजा ने बताया- यूनिवर्सिटी में आयोजित टूर्नामेंट के दौरान एक खिलाड़ी की मौत हो गई थी। शव को सिविल हॉस्पिटल, खरार, मोहाली (पंजाब) की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। उनके घर वालों को इसकी सूचना दे दी गई है।

सम्पादकीय

होती है असली परीक्षा

देश के अलग-अलग हिस्सों से सड़कों पर लगने वाले जाम की वजह से लोगों और खासकर बीमार लोगों को होने वाली असुविधाएं कोई छिपी हकीकत नहीं है। अफसोसनाक यह है कि न केवल जाम, बल्कि इस समस्या से पार पाने के लिए पुलिस की ओर से जो इंतजाम किए जाते हैं। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जनता की सुविधा के नाम पर जो व्यवस्था की जाए, वही किसी के लिए जानलेवा साबित हो जाए। अगर कहीं ऐसा होता है तो यह सरकारी इंतजामों और उससे जुड़े अधिकारियों की अदूरदर्शिता और लापरवाही का ही उदाहरण होगा, जिसकी वजह से किसी ऐसे मरीज की जान चली जाती है, जिसे थोड़ी सजगता से बचाया जा सकता था? गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ और जाम के मद्देनजर प्रशासन ने जो अवरोधक खड़े किए थे, उसके पीछे मकसद भीड़ को नियंत्रित करना बताया गया था। मगर इस इंतजाम के पीछे अदूरदर्शिता और प्रशासनिक संवेदनहीनता तब सामने आई, जब एक स्थानीय भाजपा नेता की तबीयत ज्यादा खराब हो गई और सड़क पर लगे अवरोधक की वजह से उनकी गाड़ी समय रहते आगे नहीं बढ़ पाई। खबरों के मुताबिक, भाजपा नेता के परिवार के लोगों ने वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों से अवरोधक खुलवाने की गुहार लगाई, उच्च स्तर के अधिकारियों को भी फोन किया, लेकिन रास्ता नहीं खुल सका। सवा घंटे बाद जब अवरोधक हटाया गया, तब आगे भी यही हालत होने की वजह से गाड़ी समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाई और आखिरकार उनकी मौत हो गई। यानी भीड़ और जाम से निपटने के लिए व्यवस्था बनाने के नाम पर जिस तरह सड़क को बाधित किया गया था, उसमें आपात अवस्था में पहुंचे किसी मरीज को भी आगे निकलने देने का खयाल नहीं रखा गया। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को आपात अवस्था में पहुंचे किसी मरीज की नाजुक हालत देखने के बावजूद कोई विशेष इंतजाम करना जरूरी नहीं लगा। क्या यह लापरवाही के साथ-साथ संवेदनहीनता का परिचायक नहीं है? यह अकेले अयोध्या का मामला नहीं है।

मनोरंजन और मर्यादा के बीच लक्ष्मण रेखा आवश्यक

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अलाहबादिया को 'इंडिया गॉट लेटेस्ट' शो में उनके द्वारा अपने माता-पिता के नितांत निजी क्षणों के बारे में किए गए अत्यंत भद्दी टिप्पणी पर कड़ा फटकार लगाते हुए कहा है कि उनके दिमाग में गंदगी भरा है। दूसरी ओर अदालत ने सरकार से भी पूछा है कि वह सोशल मीडिया में बढ़ रहे अश्लीलता के मामले को रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है? गौरतलब है कि कुछ दिन पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब पर स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के इंडिया 'गॉट लेटेंट शो' को होस्ट करते हुए रणवीर अलाहबादिया , समय रैना और अपूर्वा माखीजा ने अत्यंत अश्लील और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था जिसने मर्यादा की सारी हदें लांघ दी। इस शो के खिलाफ जहां संसद और महिला आयोग में मामला उछला है वहीं देश के अनेक शहरों में विभिन्न संगठनों द्वारा शो से जुड़े रणवीर सहित अन्य के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने इन मामलों के परिप्रेक्ष्य में शो से जुड़े लोगों को तलब किया था जिसके परिप्रेक्ष्य में रणवीर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किया है। अलबत्ता अदालत ने रणवीर को गिरफ्तारी से तो राहत दे दी है लेकिन उनके सहित अन्य सहयोगियों पर सुनवाई पूरी होने तक कोई भी शो करने और विदेश जाने पर बंदिश लगा दी है। अब देखना यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फटकार का ऐसे लोगों पर कितना असर होता है जो पैसा कमाने के लिए कुछ भी बोलने और कुछ भी दिखाने में गुरेज नहीं करते?

गौरतलब है कि भारतीय समाज मूलतः उत्सवधर्मी और मनोरंजन प्रेमी है लेकिन बदलते परिवेश में हास्य के नाम पर दर्शकों को कुछ भी परोसा जा रहा है। आज इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल और इसके नियमन के अभाव के चलते लोगों के पास मनोरंजन के लिए अनेक विकल्प मौजूद हैं। कालांतर में पारिवारिक मनोरंजन के लिए केवल रेडियो ,सिनेमा और टेलीविजन ही पारंपरिक माध्यम हुआ करते था। वैश्विक व्यापार और आर्थिक उदारीकरण ने देश में टेलीविजन पर सरकारी चैनल के एकाधिकार को खत्म करते हुए केबल टीवी और डीटीएच के माध्यम से दर्शकों के सामने अनेक चैनलों का विकल्प रख दिया। दूसरी ओर इंटरनेट के बढ़ते धमक ने चैनलों को पीछे छोड़ते हुए मनोरंजन की दुनिया में फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ओटीटी का आगाज कर दिया। आधुनिक पीढ़ी का इन प्लेटफॉर्म्स के प्रति आकर्षण इतना है कि सोशल मीडिया से जुड़े अधिकांश इन्फ्लुएंसर्स आपत्तिजनक, भौंडा, अश्लील और शर्मनाक कंटेंट के जरिए नाम और पैसा दोनों कमा रहे हैं लेकिन इस कमाई में मर्यादा तार- तार हो रही है। इसके इतर सोशल मीडिया से जुड़े यू-ट्यूब और ओटीटी प्लेटफॉर्म में एडल्ट और पोर्न कंटेंट का भरमार है जो स्कूली बच्चे से लेकर सभी उम्र के लोगों के पहुंच में है।

यह अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इंटरनेट और मोबाइल फोन ने मनोरंजन के साथ ही परिवारों को भी बांट दिया है। वर्तमान दौर में परिवार के प्रत्येक सदस्य अपने - अपने इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर अपने पसंदीदा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मशगूल हैं। चिंताजनक यह कि इंटरनेट और ओटीटी अब भारतीय परिवारों के लिए दुश्वारियां भी बन रही है इन माध्यमों पर ऐसे कार्यक्रम, कॉमेडी शो और वेब सिरीज प्रसारित हो रहे हैं जो युवाओं और किशोरों के मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डाल रहे हैं।ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसे कार्यक्रम, कॉमेडी शो और वेब सिरीज प्रसारित हो रहे हैं जिसमें बेहद अश्लील दृश्य, भद्दी गालियां, नशाखोरी और हिंसा के कथानक परोसे जा रहे हैं जो हमारी सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों पर चोट पहुंचा रही है। देश में महिलाओं के साथ बढ़ते दुष्कर्म, हिंसा, अपराध और नशाखोरी के लिए बहुत हद तक जिम्मेदार इंटरनेट और सोशल मीडिया में मौजूद आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट हैं। टेलीविजन आज भी आम भारतीय परिवारों के जिंदगी का अहम हिस्सा है लेकिन वर्तमान दौर में यह माध्यम भी अपना भरोसा खोते जा रहा है। एक दौर था जब टेलीविजन पूरे परिवार के लिए सूचना और मनोरंजन का मुख्य जरिया हुआ करता था लेकिन आज टीवी चैनलों में मनोरंजन के नाम पर सीरियल्स में विवाहेत्तर संबंधों से लेकर फूहड़ता से भरे सिरीयलों की भरमार है। विभिन्न चैनलों में दिखाए जाने वाले विज्ञापन इतने अश्लील और भद्दे होते हैं कि बड़े - बुजुर्गों के लिए बगले झांकना या चैनल बदलना अनिवार्य मजबूरी बन जाती है। बिलाशक आज के भाग-दौड़ वाले जीवनचर्या में हर कोई कुछ पल खुलकर हंसना और खुश रहना चाहता है जिसमें कॉमेडी की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत सहित दुनिया में मशहूर कॉमेडियन, कलाकार, हास्य कवि, कार्टूनिस्ट और व्यंग्यकार हुए हैं जिन्होंने सिनेमा, स्टेज शो और अपनी रचनाओं के माध्यम से दर्शकों, श्रोताओं और पाठकों को खूब हंसाया और गुदगुदाया है लेकिन हाल के वर्षों में कॉमेडी के नाम पर जिस तरह से फूहड़ता और बदजुबानी परोसी जा रही है वह समाज में सांस्कृतिक प्रदूषण फैला रहा है।

बहरहाल सिर्फ टीवी सीरियल्स और वेब सिरीज ही मर्यादा की हदें नहीं लांघ रहे हैं बल्कि बॉलीवुड के फिल्मों में नग्नता, फूहड़ता, हिंसा, अपशब्दों का प्रयोग और नशाखोरी का जबरदस्त तड़का लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि भारतीय सिने उद्योग का एक स्वर्णिम इतिहास रहा है जिसने देश की सांस्कृतिक चेतना के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बदलते दौर में जब युवा पीढ़ी के बीच वर्जनाओं की दीवार टूट रही है तब हिंदी फिल्म जगत भी इसके चपेट में आकर मर्यादा की हदें लांघ रहा है। सिनेमा को समाज का आईना कहा जाता है लेकिन भारतीय समाज का चेहरा इतना विद्रूप नहीं है जितना आजकल के मुंबईया फिल्मों में दिखाया जा रहा है। आजकल के अधिकांश हिंदी फिल्मों में द्विअर्थी और आपत्तिजनक संवाद, अश्लील भाव - भंगिमा, हिंसा और मादक पदार्थों का सेवन करते दृश्यों का भरमार है जिसे परिवार के साथ देखना असहज होता है। भोजपुरी जैसे अनेक क्षेत्रीय भाषाओं के फिल्मों और वीडियो एल्बमों में संवाद और गाने के नाम पर सिर्फ और सिर्फ द्विअर्थी शब्दों और अश्लील और आपत्तिजनक वेशभूषा और भाव भंगिमाओं की भरमार है। इसके इतर दक्षिण भारतीय सिनेमा उद्योग आज भी कलात्मकता और रचनात्मकता को प्राथमिकता देते हुए ऐसी फिल्में बना रही है जिसके हिंदी रूपांतरण को उत्तर भारतीय दर्शकों का काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हिंदी पट्टी के दर्शक भी अब दक्षिण भारतीय फिल्मों के हिंदी रूपांतरण का बेसब्री से इंतजार करते हैं। विचारणीय है कि किसी फिल्म में अभिनेत्री के अश्लील पहनावे के रंग पर हाय- तौबा मचाने वाले धार्मिक और सामाजिक संगठनों की फिल्मों में बढ़ते अश्लीलता और हिंसा के मसले पर चुप्पी भी बहुत कुछ कहती है।

गौरतलब है कि इंटरनेट और सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामाग्रियों को रोकने के लिए आईटी एक्ट में धारा 66 ए का प्रावधान था लेकिन साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने उस कानून को रद्द कर दिया था। इस कानून के रद्द होने के बाद सरकार ने सोशल मीडिया में आपत्तिजनक कंटेंट के रोकथाम हेतु कोई कानून नहीं बनाया है बल्कि सरकार पुराने भारतीय दंड संहिता 'आईपीसी' और भारतीय न्याय संहिता 'बीएनएस' के तहत कार्रवाई करती है। संसद में ऐसे मामलों पर सांसदों द्वारा कड़े कानून बनाने की मांग की जा रही है क्योंकि संविधान की सातवीं अनुसूची में सोशल मीडिया और सायबर अपराध से संबंधित कानून बनाने की शक्ति केंद्र सरकार के पास ही है। अलबत्ता सोशल मीडिया से जुड़े तमाम इंफ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को समझना होगा कि भारतीय समाज लज्जा और मर्यादा के तानेबाने में गूंथा है लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और खुलेपन के नाम पर कुछ भी बोलना और दिखाना उचित नहीं है इस दिशा में स्व- नियमन और आत्मानुशासन की जरूरत है।

कठिन है अश्लीलता पर रोक की डगर

ऑनलाइन डिजिटल मंचों पर अश्लीलता और हिंसा दिखाए जाने पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय कानूनी रास्ते तलाश रहा है। सरकार को यह कदम इसलिए उठाना पड़ रहा है, क्योंकि यूट्यूब पर प्रसारित 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में यूट्यूबर रणवीर इलाहबादिया ने बयान नहीं की जा सकने वाली अत्यंत अशोभनीय टिप्पणियां की हैं। इस कारण उन पर अनेक राज्यों में कई एफआईआर भी दर्ज हुई हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर इस तरह की हरकतें और वार्तालाप इसलिए संभव हो जाते हैं, क्योंकि अश्लीलता को आईटी कानूनों में स्पष्ट रूप में परिभाषित अब तक नहीं किया जा सका है। नतीजतन न्यायाधीश स्वयं के विवेक और दृष्टिकोण पर निर्णय लेते हैं। ज्यादातर इस प्रकृति के निर्णय निंदा एवं चेतावनी देने तक सीमित रहते हैं, फलतः अश्लील सामग्री परोसने वाले बच निकलते हैं। रणवीर की टिप्पणियों के बाद पूरा देश गुस्से में हैं, इसलिए डिजिटल प्लेटफॉर्म अर्थात सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी की मांग उठ रही है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की संसदीय समीति ने भी चिंता जताई है कि अश्लील और हिंसक दृश्य एवं श्रव्य कार्यक्रम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बहाने दिखाए जा रहे हैं, जो संवैधानिक अधिकार का दुरुपयोग है। अतएव इस परिप्रेक्ष्य में कठोर कानून जरूरी है। 'ओवर द टॉप' अर्थात ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म एवं वेब सीरीज पर दिखाई जा रही अश्लीलता चिंता का विषय है, अतएव इस पर नियंत्रण जरूरी है। सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ पहले भी कह चुकी है कि 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहुसंख्यक लोगों के धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं कर सकती है।' यह बात अदालत ने अमेजन प्राइम कमर्शियल की प्रमुख अपर्णा पुरोहित की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कही थी। दरअसल यह मामला तांडव वेब सीरीज से जुड़ा था। अदालत ने कहा था, 'अश्लीलता दिखाने वाले सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जांच होनी चाहिए। इन पर नियंत्रण तो जरूरी है ही, एक बोर्ड का भी गठन किया जाए, जो इन पर नियंत्रण के उपाय सुझाए।' हालांकि अब ओटीटी पर नियंत्रण के लिए ऐसी व्यवस्था होगी, जिससे पालक अपने बच्चों के लिए ऐसी सीरीज प्रतिबंधित कर सकेंगे, जिनमें अश्लीलता परोसी जा रही है। आयु वर्ग के हिसाब से भी इन्हें बालक, किशोर एवं वयस्क श्रेणियों में बांटा जाएगा। जिससे जरूरत के हिसाब से इन पर नियमन संभव हो। हालांकि अभी तक कुछ किया नहीं जा सका है। इस बाबत दुविधा ये है कि मानव-मस्तिष्क को विकृत और दूषित करने वाली अश्लील सामग्री किसे माना जाए? क्योंकि साहित्य और कला के क्षेत्र में ऐसे हजारों पृष्ठ और कलाकृतियां एवं मूर्तियां हैं, जिन्हें अश्लीलता की परिभाषा में लाना आसान नहीं होता। मोबाइल व कंप्यूटर पर इंटरनेट की घातकता का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। इंस्टाग्राम हो या फेसबुक या फिर गूगल ये सब विदेशी कंपनियां अकूत धन कमाने की तृष्णा में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से भारतीय बच्चों, किशोरों व युवकों को पोर्नोग्राफी के जाल में फंसाकर उनका न केवल भविष्य बर्बाद कर रहे हैं, बल्कि साइबर अपराधी बनाकर उनके पूरे जीवन पर ही कालिख पोतने का काम कर रही हैं। ये सब कंपनियां ऑनलाइन चाइल्ड सेक्स ट्रैफिकिंग को बढ़ावा दे रही हैं। इसका दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि किशोरों को अश्लील फिल्में दिखाकर बच्चे और सगे-संबंधी नाबालिग ही इनकी करतूतों का शिकार हो रहे हैं। लंदन के पास बसे शहर सोहो में इस तरह की वीडियो क्लीपिंग बनाने का धंधा खुलेआम चल रहा है।

आज सूचना तकनीक की जरूरत इस हद तक बढ़ गई है कि समाज का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं रह गया है। भारत में इंटरनेट डेटा की खपत इसके सस्ते होने की वजह से भी बढ़ रही है। पिछले चार साल में डेटा की खपत 56 गुना बढ़ी है, वहीं दरों में कमी 99 प्रतिशत हुई है। इकोनॉमिक सर्वेक्षण के अनुसार 2016 में डेटा की दरें 200 रुपए प्रति जीबी थी, जो 2019 में घटकर 12 रुपए प्रति जीबी तक आ गई हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली एक पोर्न वेबसाइट ने बताया है कि भारत में 2018 में औसतन 8.23 मिनट पोर्न वीडियो देखे गए, वहीं 2019 में यह अवधि बढ़कर 9.51 मिनट हो गई। यह आंकड़ा सिर्फ एक वेबसाइट का है, जबकि दुनिया में पोर्न संबंधी 150 करोड़ वेब पेज सक्रिय हैं। इनमें 28 करोड़ वीडियो लिंक हैं। ये पोर्न वेबसाइट जिन 20 देशों में सबसे ज्यादा देखी गई, उनमें भारत का स्थान तीसरा है। आज इस पर लगाम लगाने की जरूरत है।

ईश्वर की प्राप्ति ही तो जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्माचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए।

समर्पित भक्त का वास वैकुन्ठ में

एक ब्राह्मण था तथा महान भक्त था, वह मंदिर की पूजा में बहुत शानदार सेवा पेश करना चाहता था, लेकिन उसके पास धन नहीं था। एक दिन की बात है वह एक भागवत पाठ में बैठा हुआ था और उसने सुना कि नारायण मन में भी पूजे जा सकते हैं। उसने इस अवसर का लाभ उठाया क्योंकि वह एक लंबे समय से सोच रहा था कि कैसे बहुत शान से नारायण की पूजा करूं, लेकिन उसके पास धन नहीं था। जब वह यह समझ गया, कि मन के भीतर नारायण की पूजा कर सकते हैं। एक दिन वह गोदावरी नदी में स्नान करने के बाद एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। अपने मन के भीतर वह बहुत खूबसूरत सिंहासन का निर्माण कर रहा था, गहनों के साथ लदी और सिंहासन पर भगवान की मूर्ति को रखते हुए, वह भगवान का गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी नदी के जल के साथ अभिषेक कर रहा था। फिर बहुत ही उत्तम तरह से भगवान का श्रृंगार कर और फूल, माला के साथ पूजा करते हुए, वह मीठे चावल बहुत अच्छी तरह से भोजन के रूप में पका रहा था। वह परखना चाहता था कि भोजन भोग के लिए कहीं गरम तो नहीं हैं। तो ऐसा जानने के लिए उसने भोजन में अपनी उंगली डाली तो उसकी उँगली जल गई। तब उसका ध्यान टूटा क्योंकि वहाँ कुछ भी नहीं था। केवल अपने मन के भीतर वह सब कुछ कर रहा था। लेकिन उसने अपनी उंगली जली हुइ देखी। तो वह चकित रह गया। इस तरह, वैकुन्ठ से नारायण, मुस्कुरा रहे थे। देवी लक्ष्मीजी ने पूछाः आप क्यों मुस्कुरा रहे हैं ?

टीन एजर बच्चों को चाहिए ज्यादा प्यार, देखभाल

पेरेंटिंग एक ऐसी जिम्मेदारी है, जिसे निभाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। उसमें भी अगर बच्चा टीन एज यानी 13 से 19 साल के बीच है तो ये और चैलेंजिंग हो जाता है। वजह ये है कि इस दौरान उनमें शारीरिक और मानसिक तौर पर कई बदलाव होते हैं। दूसरी ओर इसी उम्र में बच्चे की शिक्षा ऐसे पड़ाव पर होती है, जिससे उसका पूरा करियर तय होता है। टीन एज में हो रहे हॉर्मोनल बदलावकी वजह से बच्चे की सोच और व्यवहार में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। इससे बच्चा चिड़चिड़ा, गुस्सैल और अनुशासनहीन हो सकता है। इस उम्र में बच्चे अपनी प्राइवेसी को लेकर अधिक चिंतित रहते हैं। यही कारण है कि वे बड़ों से अपनी कुछ बातें छुपाने की कोशिश भी करते हैं और उनकी सलाह को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में अगर सही समय पर उचित मार्गदर्शन नहीं मिलता तो बच्चे को भविष्य में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए टीन एज के दौरान बच्चों की परवरिश में पेरेंट्स को ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। टीन एज में बच्चे अपने पेरेंट्स से थोड़ा दूर और दोस्तों से ज्यादा करीब होने लगते हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि पेरेंट्स उन्हें उतने बेहतर तरीके से नहीं समझ पाएंगे, जितना कि उनके दोस्त समझ सकते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक, टीन एज बच्चों की परवरिश परिवारों के लिए सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। हॉर्मोन में बदलाव और शारीरिक परिवर्तन जैसी चीजों से जूझ रहे टीन एजर्स को लगता है कि कोई भी उनकी भावनाओं को नहीं समझ सकता, खासकर पेरेंट्स तो बिल्कुल नहीं। इससे वह अकेला और भ्रमित महसूस कर सकते हैं। वहीं पेरेंट्स इस बात से परेशान हो सकते हैं कि उनका बच्चा अब पहले की तरह अनुशासित नहीं है। कई बार ये चीजें बच्चे और पेरेंट्स के बीच मनमुटाव की वजह भी बन जाती हैं। इसलिए टीन एजर्स की पेरेंटिंग बिल्कुल भी आसान नहीं है। टीन एज के दौरान बच्चों में कई तरह के बदलाव आते हैं। ये बदलाव शारीरिक, मानसिक और व्यवहारिक तीनों तरह के हो सकते हैं। टीन एज बेहद नाजुक उम्र होती है। इसमें बच्चे नए दोस्त बनाना, नई-नई चीजों को जानना-समझना और एक्सप्लोर करना चाहते हैं। इसके अलावा उनमें कुछ और बदलाव देखने को मिलते हैं। पढ़ाई में मन कम लगता है। भावनाओं में उतार-चढ़ाव होता है। स्वभाव में चिड़चिड़ापन होता है। गुस्सा जल्दी आता है। दोस्तों की कंपनी ज्यादा पसंद आती है। गैजेट्स से अधिक लगाव होता है। खानपान से जुड़ी आदतों में बदलाव होता है। इस उम्र में बच्चे किसी भी नई चीज को जानने-समझने के लिए एक्साइटेड रहते हैं। वे बिना किसी की सलाह के खुद से निर्णय लेना चाहते हैं। लेकिन कई बार वे सही और गलत में फर्क नहीं कर पाते हैं। इसलिए टीन एज में बच्चे को स्पेशल केयर की जरुरत होती है। इसमें माता-पिता की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। पेरेंट्स को उनके साथ बैठकर हर मुद्दे पर बातचीत करनी चाहिए। उन्हें पूरा सपोर्ट देना चाहिए, जिससे वे कोई भी निर्णय बिना पेरेंट्स की सलाह के न लें। टीन एज में बच्चों को स्वतंत्रता चाहिए होती है। ऐसे में माता-पिता को बच्चे पर नजर रखनी चाहिए कि वह कब-कहां आते-जाते हैं, मोबाइल फोन में क्या देखते हैं, नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं या नहीं। इसके अलावा कुछ और बातों का भी ध्यान रखना जरूरी है। कई बार पेरेंट्स अपने बच्चों को सुधारने के लिए मारने-पीटने का तरीका अपनाते हैं, जो बिल्कुल गलत है। इसका बच्चे पर विपरीत असर पड़ता है। वे मां-बाप से डरने लगते हैं और उनके साथ अपनी कोई भी बात शेयर करने से घबराते हैं। इसके अलावा माता-पिता टीन एजर बच्चे की पेरेंटिंग में कुछ और गलतियां करते हैं, जिनसे बचना चाहिए। अपने बच्चे को स्पोर्टस, म्यूजिक, थिएटर और आर्ट जैसी एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। उनके अच्छे प्रयासों और उपलब्धियों की तारीफ जरूर करें। उन्हें लोगों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना सिखाएं। उन्हें उनकी पसंदीदा एक्टिविटीज करने दें। उन पर लगाम न लगाएं। उन्हें एक्सरसाइज करने और हेल्दी डाइट लेने के फायदों के बारे में बताएं। बच्चे से सड़क पर सुरक्षित रहने के तरीकों के बारे में बात करें। उनसे ड्रग्स, शराब और स्मोकिंग के खतरों के बारे में बात करें।

जनमार्ग
सिटी न्यूज
श्रीगंगानगर, मंगलवार, 25 फरवरी 2025
JANMARG news
जनमार्ग

आयुर्वेद कॉलेज ने लगाया नि :शुल्क चिकित्सा शिविर

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। टांटिया यूनिवर्सिटी के श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल की ओर से पंजाब क्षेत्र के गांव दलवीर खेड़ा में चिकित्सा शिविर लगाया गया। इसमें 105 रोगियों की जांच कर औषधि वितरण किया गया। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुभाष उपाध्याय ने बताया कि शिविर प्रभारी डॉ. निशांत कौशिक के नेतृत्व में डॉ. कीर्ति राहुल, डॉ. मुकेश सागर, डॉ. पुष्प कंवर, डॉ. रोहित लबाना, डॉ. रचना ने सेवाएं दीं। इनके साथ इंटर्नी कशिश, लक्ष्मी, आरती, अंशिका, चेल्सी, आंचल, नखत, नवभारत, नरेशपाल और मनीष यादव ने सहयोग किया। ग्रामीणों ने इस तरह के चिकित्सा शिविर लगाने के लिए महाविद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा की और भविष्य में भी इस तरह के किसी भी आयोजन में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सुंदरकांड पाठ और भंडारे का भव्य आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन के मुखर्जी नगर में स्थित एकलव्य आश्रम, वार्ड नंबर 44 में जय राम सेवा हनुमानगढ़ के तत्वावधान में सुंदरकांड पाठ व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन अंजली माता व बालाजी की कृपा से स्वर्गीय राम सिंह अतुल की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुंदरकांड मित्र मंडल, प्राचीन हनुमानगढ़ टाउन द्वारा संगीतबद्ध सुंदरकांड पाठ किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया आयोजन का विशेष आकर्षण चांदी का भव्य सालासर दरबार रहा, जिसने भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति करवाई।

इंटक के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में श्रमिक हितों की रक्षा पर हुई चर्चा

❑ केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों पर किया आक्रोश व्यक्त

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक), जिला शाखा श्रीगंगानगर का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पंचायती धर्मशाला में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात् पूर्व विधायक गंगाजल मील को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अंकुर मिगलानी व राजस्थान इंटक के वरिष्ठ नेता शिवनारायण पुरोहित तथा विशिष्ट अतिथि देहात ब्लॉक अध्यक्ष श्यामलाल पुनियानी, बीकानेर जिलाध्यक्ष अशोक पुरोहित, गुरदीप कुकी, मोडाराम व बाबूलाल नाहडिया थे एवं अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा ने की। जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा ने कहा कि इंटक संगठन कांग्रेस का अग्रिम संगठन है, जिसकी स्थापना 3 मई 1947 को जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल व महात्मा गांधी ने की थी। उन्होंने कहा कि इंटक संगठन का मुख्य लक्ष्य देश के मजदूरों की दशा में सुधार एवं मजदूरों को समानता का अधिकार दिलाते हुए मजदूरों के अधिकारों के लिए लड़ना व उन्हें उचित वेतन दिलवाना है। शर्मा ने केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में केंद्र व राज्य सरकार हर क्षेत्र में निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। इससे रोजगार के अवसर खत्म होते जा रहे हैं तथा बेरोजगारी बढ़ रही है। सरकार विद्युत, रेल, तेल-गैस, शिक्षा व अन्य सभी सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण करने पर आपदा है। अगर केंद्र व राज्य सरकार सब कुछ पूंजीपतियों को दे देगी तो देश में मजदूरों के पास काम नहीं होगा तथा यह पूंजीपति फिर अंग्रेजों की तरह ही हमारे मजदूरो का शोषण करेंगे। जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा ने भाजपा सरकार की कुनीतियों के खिलाफ बोलते हुए कहा कि एक तरफ बेरोजगारी बढ़ रही है और उद्योग व अन्य रोजगार के साधन खत्म हो रहे हैं तथा दूसरी तरफ महंगाई बहुत अधिक बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में मजदूर व आमजन के समक्ष जीवनयापन की विकट समस्या उत्पन्न हो जाएगी, जिसे लेकर केंद्र व राज्य सरकार कतई गंभीर नहीं है। उन्होंने राजस्थान सरकार के बजट की निंदा करते हुए कहा कि इंटक संगठन ने महंगाई व बेरोजगारी को देखते हुए मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी 15 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने बजट में मजदूरों की अनदेखी की है। इंटक संगठन को और अधिक सक्रिय व मजबूत बनाने के लिए उन्होंने शीघ्र श्रीगंगानगर में ईन्ट भट्ठा मजदूर यूनियन, नरेगा मजदूर यूनियन, टेंपो मजदूर यूनियन, ट्राली ट्रैक्टर ट्राली यूनियन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता यूनियन व अन्य यूनियन का गठन करने तथा राजस्थान इंटक प्रदेशाध्यक्ष की अध्यक्षता में विशाल कार्यक्रम आयोजन की घोषणा की।

कृषि विज्ञान केन्द्र का कृषि संकाय के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षिक भ्रमण

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। नरेश सिगची पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रावतसर के कृषि विज्ञान के विद्यार्थियों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र संगरिया का शैक्षिक भ्रमण किया गया। केंद्र के समन्वयक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनूप कुमार ने एकीकृत मुर्गा पालन तथा मछली पालन व जीरो बजट प्राकृतिक कृषि व वर्मी कम्पोस्ट के बारे में जानकारी दी। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ मुकेश कुमार ने विद्यार्थियों को केंद्र में संचलित विभिन्न वैज्ञानिक कार्यों जैसे मछ्ली पालन, बकरी पालन, पशु पालन, एजोला, बटन मशरूम, हैचरी की क्रियाविधि की जानकारी दी। डॉ रघुवीर नैन ने केंद्र द्वारा तैयार की जा रही विभिन्न प्रकार की पौध तथा ड्रीप सिस्टम के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों के साथ स्थानीय स्टाफ के रूप में किरण निवाद, दयावती, सतीश कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने ड्रिप सिस्टम, एजोला कृषि से संबंधित अपनी जिज्ञासा को प्रश्नों के माध्यम से व्यक्त किया। जिसे केंद्र के विद्वान वैज्ञानिकों द्वारा बहुत ही अच्छे ढंग से समझाया गया। प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ ने बताया कि शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों के ज्ञान में अभिवृद्धि तथा जिज्ञासाओं को शांत करने का प्रयास विद्यालय स्टाफ द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

बजरी खनन रोकने गए रेंजर को ट्रैक्टर से कुचला, मौत

जनमार्ग न्यूज

रायपुर। अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने रेंजर और फॉरेस्ट गार्ड की बाइक को टक्कर मारने के बाद कुचल दिया। हादसे में फॉरेस्ट रेंजर की मौत हो गई, जबकि गार्ड का पैर फ्रैक्चर हो गया। घटना सोमवार शाम करीब 5 बजे रायपुर (ब्यावर) कस्बे के पचानपुरा और कालब खुर्द के बीच हुई। आरोपी ड्राइवर को पकड़ने के बाद हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। रायपुर थाने के एसआई बाबूलाल सिरवी ने बताया कि वन विभाग के रेंजर किशोर कुमार और फॉरेस्ट गार्ड विष्णु मीणा बाइक से कानूजा फॉरेस्ट नाके की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पचानपुरा और कालब खुर्द के बीच अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और दोनों को कुचलता हुआ मौके से फरार हो गया। हादसे में रेंजर किशोर कुमार को कमर, पैर, पीठ और सिर पर गंभीर चोटें आई, जबकि फॉरेस्ट गार्ड विष्णु मीणा के पैर में फ्रैक्चर हो गया। आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। हादसे के बाद ग्रामीणों ने दोनों को रायपुर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद जोधपुर रेफर कर दिया। जोधपुर ले जाते समय रास्ते में रेंजर किशोर कुमार की हालत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें बिलाड़ा (जोधपुर) के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका शव बिलाड़ा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखा गया है, जबकि फॉरेस्ट गार्ड विष्णु मीणा का इलाज वहीं चल रहा है।

फन डे कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। रोटेरी क्लब डायनामिक श्रीगंगानगर द्वारा क्लब के सभी रोटेरियन के लिए एक दिन का पिकनिक कार्यक्रम का आयोजन डॉ रेणू गुप्ता और दिनेश गुप्ता के फॉर्म हाउस पर किया गया। इस आयोजन में 40 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन और रेणू गुप्ता डॉ. रेणू अग्रवाल ने बताया कि पिकनिक में कई प्रकार के गेम्स प्रतियोगिता डांस प्रतियोगिता और व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी विजेता प्रतिभागियों को क्लब की अध्यक्षा डॉ रजनी अग्रवाल द्वारा सम्मानित किया गया। क्लब के सभी रोटेरियन ने पिकनिक का पूरा लुत्फ उठाया और सभी कार्यक्रमों में बढ चढकर भाग लिया।

नन्हे मुन्ने बच्चों के साथ संस्कार टीम ने मनाया महाशिवरात्रि पर्व

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जनसेवा ट्रस्ट के अंतर्गत संस्कार टीम द्वारा बच्चों को अपने संस्कार एवं संस्कृति से जोड़े रखने के उद्देश्य से हॉप्स एंड ड्रीम्स यूनिवर्सल स्कूल में महाशिवरात्रि के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष मनोज चनाणी ने बताया संस्कार टीम द्वारा बच्चों में संस्कार जागृति के उद्देश्य से विभिन्न स्कूलों एवं अनेक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं जिसमें सभी बच्चे उत्साह पूर्वक भाग लेते हैं। कार्यक्रम प्रभारी मंजू गर्ग ने बताया कार्यक्रम में बच्चों के मध्य मंत्रोच्चारण प्रतियोगिता, महाशिवरात्रि से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं बच्चों द्वारा शिव रूप में तांडव नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सचिव सुरेंद्र चनाणी द्वारा सभी का स्वागत किया गया एवं संस्कार टीम का उद्देश्य बताया गया। प्रधानाध्यापिका पूजा खत्री ने बच्चों को महाशिवरात्रि का महत्व बताया।मंत्र उच्चारण प्रतियोगिता में 40 से भी अधिक बच्चों ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान प्रभास, द्वितीय स्थान पीहू एवं ईशा, तृतीय स्थान सानवी एवं दृष्टि, सांत्वना पुरस्कार द्रुविका, रोनक, अरहान एवं सभ्य ने प्राप्त किया।

राज्य मंत्री राजेंद्र नायक का भव्य स्वागत

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन जंक्शन रोड स्थित सिटी सेंटर मार्केट में अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री राजेंद्र नायक के आगमन पर भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन हनुमानगढ़ के विकास और जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। इस स्वागत समारोह में भाजपा युवा नेता अमित सहू, समाजसेवी ओम सोनी, मंडल अध्यक्ष टाउन नितिन बंसल, जंक्शन देहात अध्यक्ष बलराज मान, अरविंद सोनी, हिमांशु महर्षि, जुगल किशोर गौड़, राजपाल, नवनीत सखीजा, बलबीर सिंह, अशोक खींची, जुगल स्वामी, साहिल बालाडिया, वीरेंद्र सिंह, प्रदीप करवा, रणवीर नायक, आयुष सरावगी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने राज्य मंत्री का माल्यार्पण एवं राजस्थानी साफा पहनाकर भव्य अभिनंदन किया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने हनुमानगढ़ के विकास और क्षेत्र में हो रहे सुधारों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राज्य मंत्री राजेंद्र नायक ने राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की और बताया कि सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं, किसानों और व्यापारियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर विशेष प्रकाश डाला।

बीडीआईएस के 30 बच्चों ने प्राप्त किया इंनट्यूशन कोर्स का अनुभव

● जयपुर से आई आर्ट ऑफ लीविंग टीचर अपर्णा शर्मा व प्राचार्या डॉ. मीतू शर्मा ने करवाया कोर्स

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। आर्ट ऑफ लिविंग टीचर व ब्लूमिंग डेल्स इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्या डॉ. मीतु शर्मा व जयपुर से आई आर्ट ऑफ लीविंग टीचर अपर्णा शर्मा द्वारा 30 बच्चों को इनट्यूशन कोर्स करवाया गया। जिससे बच्चों ने बहुत ही अद्भुत अनुभव प्राप्त किए। इससे पहले भी विद्यालय प्राचार्या के अथक प्रयासों से 250 बच्चे इंनट्यूशन कोर्स कर चूके है। इनका मानना है कि आने वाले समय में विद्यालय का प्रत्येक छात्र इंट्यूटिव (अंतर्ज्ञानी) हो। यह कोर्स बच्चों के लिए एकाग्रचित होकर अध्ययन करने में मददगार साबित हुआ है। इनट्यूशन कोर्स हमारे मन को पांच इंद्रियों से परे छठी इंद्रिया तक पहुँचने में सक्षम बनाता है जो हमें अच्छे निर्णय लेने आत्मविश्वास बढ़ाने नई चीजों की खोज करने आदि में मददगार साबित होता है। इनट्यूशन कोर्स के बाद बच्चों का उत्साह व जोश देखते ही बन रहा था। इस कार्यक्रम में अभिभावकों की भी उपस्थिति रही आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षकों द्वारा उनको बताया गया कि घर के वातावरण का भी बच्चों पर बहुत प्रभाव पड़ता है तो घर में बच्चों को अ'छा वातावरण प्रदान करें जिससे उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। कार्यक्रम प्रशिक्षिका डॉ. मीतू शर्मा ने बताया कि इनट्यूशन कोर्स के माध्यम से बच्चों के दिमाग को 'यादा सक्रिय किया जा सकता है, क्योंकि इनट्यूशन कोर्स में योग ध्यान व दूसरी गतिविधियों द्वारा बच्चों को प्रशिक्षित किया जाता है और इन सभी प्रक्रियाओं के द्वारा उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बच्चे आने वाले समय में अभ्यास द्वारा अपने ज्ञान को और 'यादा विकसित करेंगे ऐसा विश्वास है।

डीएवी कॉलेज की छात्रा अनीशा ने उत्तीर्ण की नेट

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। डीएवी कॉलेज की छात्रा अनीशा ने हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की यह परीक्षा अनीशा ने राजनीति विज्ञान विषय से उत्तीर्ण की है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. मीनू पूनिया के द्वारा अनीशा को कॉलेज में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ.राजेश्वर गोदारा, डॉ. जसप्रीत सिंह, अंजली सिंह तथा संजय शर्मा उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ.मीनू पूनिया ने विद्यार्थी को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। राजनीति विज्ञान के विभाग अध्यक्ष डॉ राजेश्वर गोदारा द्वारा अनीशा आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं दी और बताया कि महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान की निरंतर नियमित कक्षाएं चलती है और इन कक्षाओं में नियमित विद्यार्थियों को यूजीसी नेट की तैयारी करवाई जाती है। पिछले गत वर्षों में बहुत से विद्यार्थियों ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

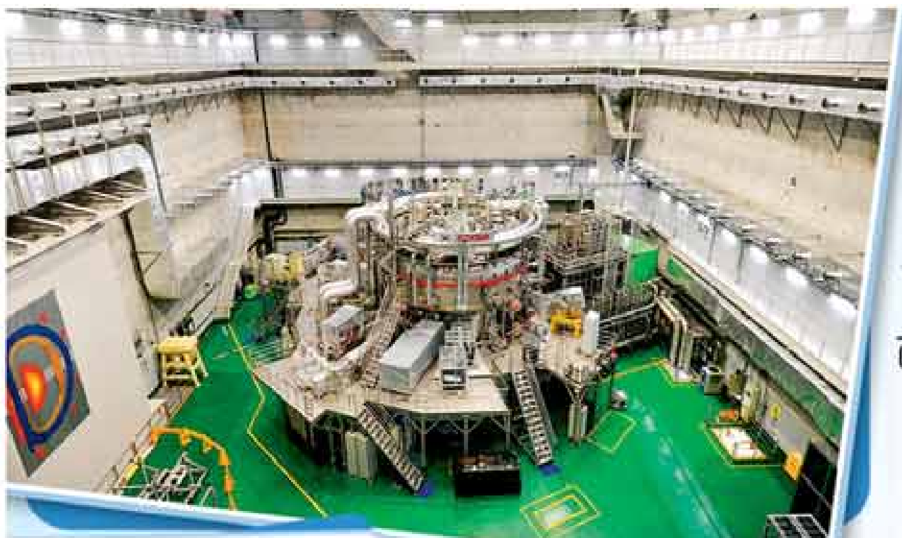

हमारे सौर मंडल में एक प्राकृतिक सूरज तो है ही, जिससे असीमित ऊर्जा निरंतर निकलती रहती है। लेकिन अब भारतीय वैज्ञानिकों समेत दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर एक कृत्रिम छोटा सूरज यानी मिनी सन का निर्माण कर रहे हैं। कैसा है धरती का यह सबसे बड़ा और महंगा प्रोजेक्ट, कैसे करेगा यह अपना कार्य? इसके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

भारतीय वैज्ञानिकों की मदद से बन रहा

धरती पर पहला मिनी सन

हाल ही में फ्रांस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) यानी दुनिया के उस प्रोजेक्ट को देखने गए, जिसके तहत धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश हो रही है। यह कोशिश दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भी हैं।

सबसे बड़ा-महंगा प्रोजेक्ट: दुनिया के इस सबसे बड़े एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट की शुरुआत साल 2006 में फ्रांस के राष्ट्रपति भवन एलिसी पैलेस में हुई, जहां दुनिया के कई देश इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर साथ-साथ काम करने को राजी हुए। ये देश थे- अमेरिका, यूरोपीय यूनियन के देश, रूस, चीन, भारत और दक्षिण कोरिया। आज इस प्रोजेक्ट में 30 देश अपना योगदान दे रहे हैं।

हमारा देश न केवल इस प्रोजेक्ट की लागत में हिस्सेदारी कर रहा है, बल्कि हमारे कई वैज्ञानिक इस प्रोजेक्ट की कोर टीम का हिस्सा भी हैं। दरअसल, सूरज में जिस प्रक्रिया से ऊर्जा उत्पन्न होती है, इस प्रोजेक्ट का मकसद उसी प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न करना है। एक तरह से वैज्ञानिक धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अब तक का दुनिया का सबसे महंगा और महत्वाकांक्षी

एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट है, जो अगर सफल हुआ तो असीमित मात्रा में बिजली पैदा करेगा।

असीमित ऊर्जा का होगा उत्पादन: इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की सबसे बड़ी 'टोकामक' बनाई जा रही है। टोकामक रशियन शब्द है, जिसका मतलब एक ऐसी मशीन है, जिसका इस्तेमाल परमाणु नाभिकीय संलयन से ऊर्जा पाने के लिए किया जाता है। वास्तव में यह एक एक्सपेरिमेंटल डिवाइस है, इसमें चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके प्लाज्मा को 'डोनट' के आकार में सीमित कर दिया जाता है। इस आकार को वैज्ञानिकों की भाषा में टोरस कहते हैं। यह वैक्यूम वेसल 'सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट' होता है। टोकामक में गरम प्लाज्मा को एक निश्चित आयतन में बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया होता है। टोकामक में बनी ऊर्जा बर्तन की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित होती है। इसे थर्मल इंसुलेशन के लिए बड़े क्रायोस्टेट में रखा जाता है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों का अनुमान है कि प्रोजेक्ट के सफल होने पर इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट न्यूक्लियर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा।

एक्सपर्ट कमेंट

इस मिनी सूरज प्रोजेक्ट का सात सालों तक नेतृत्व करने वाले फ्रांस के बर्नार्ड बिगोट ने एक बार कहा था, 'हम यहां जो करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर उसमें सफल रहे यानी मिनी सूरज बना लिया तो फिर इंसान द्वारा बनाया गया यह सूरज कभी नहीं डूबेगा' यानी यह 'फ्यूजन पावर प्लांट' हर समय चलता रहेगा।'

आसान नहीं है यह प्रोजेक्ट: इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है, न्यूक्लियर फ्यूजन यानी परमाणु संलयन में महारत हासिल करना। न्यूक्लियर फ्यूजन, सूर्य और बाकी तारों में होने वाली एक प्रक्रिया है, जिससे उनमें गर्मी पैदा होती है।

हालांकि पृथ्वी पर न्यूक्लियर फ्यूजन की नकल करके एक मिनी सूरज बना लेना बेहद मुश्किल है। यदि ऐसा हो गया तो हमें असीमित मात्रा में ऊर्जा मिल सकती है। साथ ही यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधन की तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी नहीं करेगी। दुनिया में जो न्यूक्लियर एनर्जी इस्तेमाल की जाती है, वो परमाणु विखंडन यानी न्यूक्लियर फिजन से हासिल होती है, इस प्रक्रिया में रेडियोएक्टिव कचरा पैदा होता है, जबकि न्यूक्लियर फ्यूजन में किसी तरह का कचरा नहीं निकलता।

मिनी सन का स्ट्रक्चर-फंक्शनिंग: इस प्रोजेक्ट के तहत जो मिनी सूरज बनाया जा रहा है, उसमें असीमित ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए दो हाइड्रोजन परमाणुओं को बहुत अधिक वेग से एक-दूसरे की तरफ धकेला जाता है, इससे ये दोनों जुड़कर हीलियम परमाणु बनाते हैं। साथ ही इस दौरान न्यूट्रॉन भी बनता है, जिससे अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा निकलती है। प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों का मानना है कि फ्यूजन से एनर्जी पैदा करना अपने आप में कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इसे लगातार बनाए रखना मुश्किल है। इसी तकनीक को हासिल करने के लिए वैज्ञानिक और टेक्निकल एक्सपर्ट दशकों से मेहनत कर रहे हैं। आईटीईआर प्रोजेक्ट का आकार इतना बड़ा है, जिसमें 39 बड़ी इमारतें बन सकती हैं। न्यूक्लियर फ्यूजन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस टोकामक का वजन 23,000 टन है। यह वजन तीन एफिल टावर के संयुक्त वजन के बराबर है। इस रिएक्टर में दस लाख घटक शामिल हैं, जो कम से कम एक करोड़ छोटे भागों में बंटे हुए हैं। रिएक्टर में लगभग 4,500 कंपनियों से जुड़े सैकड़ों वैज्ञानिक और कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। शुरू में प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 5 अरब डॉलर थी, समय के साथ यह बढ़कर 22 अरब डॉलर हुई। अब अमेरिका के ऊर्जा विभाग का अनुमान है कि प्रोजेक्ट की कीमत 65 अरब डॉलर तक हो सकती है। इस खर्च को देखते हुए ही इसे दुनिया का सबसे मंहगा वैज्ञानिक प्रोजेक्ट कहा जा रहा है।

शुरू होने में लगेंगे कुछ वर्ष: प्रोजेक्ट की शुरुआत में माना जा रहा था कि यह प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाएगा, लेकिन जुलाई 2024 तक रिएक्टर सिर्फ पूरी तरह से असेंबल हो पाया था। अब अनुमान है कि 2039 तक यह प्रोजेक्ट काम करना शुरू कर सकता है। *

भारत की है महत्वपूर्ण भूमिका

भारत इस प्रोजेक्ट का शुरू से ही हिस्सा है। हम इस प्रोजेक्ट में 10 प्रतिशत खर्च की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। हमने इस प्रोजेक्ट के लिए 17,500 करोड़ रुपए देने का वादा किया है। साथ ही करीब 25 से 30 भारतीय वैज्ञानिक हमेशा इस प्रोजेक्ट में मौजूद होते हैं। यूरोपीय संघ प्रोजेक्ट की लागत का 45 प्रतिशत खर्च उठा रहा है। हमारा इस मायने में एक और अहम योगदान है कि रिएक्टर को ठंडा करने के लिए जिस 'क्रायोस्टेट फ्रीजर' का इस्तेमाल हो रहा है, उसे हमारी लार्सन एंड टुब्रो कंपनी ने ही बनाया है। यह क्रायोस्टेट फ्रीजर दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा फ्रीजर है। यह टोकामक के अंदर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट और वैक्यूम वेसल के बाहर लगता है और इससे रिएक्टर को -193 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जाएगा। क्रायोस्टेट 54 यूनिट्स से मिलकर बना है, इसे 2020 में फ्रांस भेजा गया था। इस क्रायोस्टेट का वजन 3,800 टन है और इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार की आधी है। इस फ्रीजर की वजह से प्रोजेक्ट में भारत की भागीदारी बहुत अहम हो गई है।

एआई ने शुरू किया

मैन-मशीन कॉम्पिटिशन

वैज्ञानिक प्रगति आज उस मुकाम पर पहुंच चुकी है कि इंसान के द्वारा निर्मित मशीन, इंसान को ही चुनौती दे रही है। हालात ये हो गए हैं कि कई स्तरों पर एआई, इंसान को मात देने लगी है। इनके कॉम्पिटिशन का परिणाम क्या होगा, वक्त ही बताएगा।

हालांकि दशकों से कहा जा रहा है कि इंसान और मशीन में वर्चस्व की जंग शुरू होने वाली है। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में मशीन वाकई इंसान के साथ प्रतिस्पर्धा के कई मोर्चों पर इंसान की क्षमताओं को मात देकर आगे निकल रही है।

कई मामलों में बहुत आगे है मशीन: आज डेटा प्रोसेसिंग के मामले में जीनियस से जीनियस इंसान भी एआई यानी आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का सामना नहीं कर सकता। डेटा प्रोसेसिंग मामले में इंसान एआई के सामने कहीं नहीं टिकता है। यहां एआई इंसान से सैकड़ों नहीं हजारों गुना तेज और कुशल हो चुका है। लेकिन बात यहीं तक सीमित नहीं है। मशीन अब सिर्फ कैलकुलेट भर नहीं करती, वह सोचने में भी सक्षम है। यही नहीं इस कारण से मशीन जटिल निर्णय लेने में भी माहिर हो रही है। डीप लर्निंग, नैनो प्रोसेसिंग और न्यूरल नेटवर्क्स ने एआई की संभावनाओं को चमत्कारिक बना दिया है।

मशीन से सीख रहा इंसान: इंसान कई मामलों में न केवल एआई से बहुत कुछ सीख रहा है बल्कि उससे प्रेरित भी हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की चुनौतियों के चलते इंसान ने अपनी सोचने और समझने की क्षमता को कहीं ज्यादा तीव्र, परिष्कृत और नए आयामों तक पहुंचने के संदर्भ में निखारा है। क्योंकि इसे जंग कहें या न कहें लेकिन इंसान ने इस बात को भली-भांति जान लिया है कि अगर वह नई तकनीक को अपनाने में पीछे रहेगा तो मशीन उसे हर हाल में पछाड़ देगी। इसके बावजूद कि भले लेखन, संगीत, चित्रकला और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में एआई क्रिएटिव रोल निभाता दिख रहा हो, लेकिन यह भूमिका उसके सेल्फ डिसीजन का नतीजा नहीं है, यह उसे हासिल निर्देशों का रिजल्ट होता है। लेकिन कौन जाने जीपीटी-4, डीएएलएल-ई, डीएएलएल-ई 2 और डीएएलएल-ई 3 जैसे टूल्स के बाद मशीन ओरिजिनल क्रिएटिविटी के मामले में भी इंसान को मात देने की कोशिश करे।

लाजवाब है रोबोटिक टेक्नीक: हाल के दिनों में मशीन ने जिन और कई क्षेत्रों में इंसान को हैरान या कहें कि हतोत्साहित किया है, वह सेल्फ ड्राइविंग, ऑटोएक्टिव ड्रोन और रोबोटिक असिस्टेंस का तकनीकी क्षेत्र है। आज इंसान से कहीं बेहतर कार ड्राइविंग एआई नियंत्रित रोबोट कर रहा है। ऑटोड्राइवर ड्रोन भी इंसान के अनुमान से कहीं ज्यादा सटीक लक्ष्य पर वार कर रहा है। विभिन्न सहायता क्षेत्रों में जिस तरह की असिस्टेंस आज एआई प्रदान कर रही है, निःसंदेह वह इंसान के बस में नहीं है। कहना चाहिए आटोनोमस सिस्टम को एआई ने सिर्फ क्रांतिकारी ही नहीं बनाया हैरान करने की हद तक उपयोगी और सटीक भी बनाया है।

मैन्युफेक्चरिंग और हेल्थ केयर के मामले में भी मशीन, इंसान से किसी हद तक जंग जीत चुकी है या कहें वह अपर हैंड है। जितनी सफाई से आज कोई रोबोट, सर्जन की सर्जरी के दौरान मदद करता है, कोई भी नर्स उतनी सफाई से मदद नहीं कर पाती। लेकिन हां, एक मामले में एआई नर्स के सामने पिछड़ जाता है कि नर्स बिना किसी कमांड के भी कई निर्णय अपनी बुद्धिमत्ता से ले लेती है, जो एआई के बस में नहीं है।

कुछ घटी-कुछ बढ़ी हैं जॉब्स: एआई के कारण आज ऑटोमेशन के कई सेक्टर में इंसान के लिए जॉब या तो खत्म हो गए हैं या बहुत कम रह गए हैं। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि एआई ने नई इंडस्ट्रीज और रोजगार के क्षेत्र भी बनाए हैं। डेटा साइंस और मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग, एआई विकसित इंडस्ट्रीज हैं। रोजगार के क्षेत्र में एथिक्स और लर्निंग को एआई ने नए आयाम दिए हैं।

सच तो यह है कि जिस तरह से एआई ने हाल के सालों में इंसान को चौंकाया, छकाया और कई क्षेत्रों में हराया भी है, उससे आदमी प्रेरित होकर खुद चौकन्ना हो रहा है, जिससे कि वह एआई के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके और पहली बार दुनिया में मैन-मशीन की आशंकित जंग के बजाय एक साझा युग शुरू हो। *

क्रिएटिविटी में इंसानों से पीछे मशीन

हालांकि डेटा एप्लीकेशन का निर्णय लेने के मामले में, उसके संदर्भों को एनालाइज करने में इंसान एआई से आज भी कोसों आगे है। इसी तरह देखें तो क्रिएटिविटी के मामले में भी भले एआई, इंसान को टक्कर दे रही हो, लेकिन उसकी यह टक्कर अभी क्रिएटिविटी को सिमुलेट करने तक ही सीमित है, जबकि इंसान अपनी कल्पनाशीलता से नई सोच और नए रेफरेंस विकसित करने में भी माहिर है।

आप चाहते हैं कि आपको आपकी मनचाही कुर्सी मिले, आपका सात जन्मों तक का कुर्सी-संगम बना रहे। कुर्सी को बुरी नजर से बचाव मिले, तो आप यहां दिए जा रहे फार्मूले जरूर अपनाएं।

कुर्सी वंदना

लो जी, अब तनिक कुर्सी प्रेमियों को भी कुछ खुशखबरी सुना दें। कुर्सी का बिछोह सबसे बड़ा गम है। कुर्सीगीरी ऐसे ही नसीब नहीं होती। अपनी कुर्सी कैसे बचाए रखनी है, बस इसी जुगत में सब कुलबुलाते रहते हैं। कुर्सी की ऊंचाई भी छोटी-बड़ी होती रहती है। आपकी कुर्सी दिन-दूनी, रात-चौगुनी अपना कद ऊंचा करे, इसके लिए हम कुछ नायाब फार्मूले लेकर आए हैं।

आप चाहते हैं कि आपको आपकी मनचाही कुर्सी मिले, आपका सात जन्मों तक का कुर्सी-संगम बना रहे। कुर्सी को विरोधियों की बुरी नजर से बचाव मिले, तो आप यहां दिए जा रहे फार्मूले जरूर अपनाएं। शर्तिया सफलता की गारंटी बिल्कुल चांदसी दवाखाने के हकीम की मर्दानगी ताकत वापस दिलाने की गारंटी जैसी।

सबसे पहले, अपने गले में रुद्राक्ष की जगह किसी खाती से 108 मनकों की कुर्सी बीड-नुमा माला बनवाएं। इसे गले में डालकर रखें। सुबह-शाम गले से उतारकर इसका जाप करें। जाप के साथ यह मंत्र उच्चारण आवश्यक है- 'ॐ कुर्स्याय नमः।'

एक बार कुर्सी प्राप्त हो जाने के बाद, जिस प्रकार से आप रंग बदलते हैं, उसी प्रकार से मंत्र जाप भी बदल लें। अब यह मंत्र जाप करना है-'कुर्सी अधिष्ठानम अक्षयं कुरु।'

इस मंत्र का अर्थ है, 'कुर्सी को स्थिर और अक्षय बनाओ।' यह मंत्र कुर्सी को स्थायित्व प्रदान करने की प्रार्थना करता है, जिससे कि वह सदैव आपके नियंत्रण में रहे और आपको उस पर से गिरने, उतरने, धकियाने या गिराने का भय न हो। यह मंत्र कुर्सीधारकों को एक आध्यात्मिक आश्वासन प्रदान करता है कि उनकी कुर्सी उन्हें आत्मविश्वास और शांति प्रदान करेगी।

कुर्सी प्राप्त होने के बाद यदि कुर्सी पूजन महोत्सव रखा जाए, तो आपकी कुर्सी की स्थिरता की शत-प्रतिशत गारंटी है।

मान लीजिए, आपका नया-नया प्रमोशन हुआ है या आपको जुगाड़ लगाकर मंत्री पद प्राप्त हुआ है। नई नवेली कुर्सी आपको प्राप्त हुई है। पता लगा कि कुर्सी-संगम को गिने-चुने चार दिन भी नहीं हुए कि आ गया कोई न कोई विलेन आपके इस संगम को गम में बदलने के लिए।

पहली बात तो यह कि इतनी आसानी से कहां यह कुर्सी मिलती है? भाई, बड़े जतन से, जोड़-तोड़, जुगाड़ और कुछ नए-पुराने वादों की मिश्रित खाद से यह कुर्सी हासिल की गई है। अब, इससे पहले कि कुर्सी के साथ रंगरेलियां मनाना शुरू करें, क्यों न एक बार कुर्सी पूजन को विधिवत निपटा लें? तो चलिए, आज हम लोग कुर्सी का पूजन करेंगे, विधि-विधान से। पंडित जी को बुला लें, शुरू में आप मुझे भी बुला सकते हैं। आजकल तो वैसे भी ब्रिज कोर्स का जमाना है। सोचा है, डॉक्टरी बढ़िया चले न चले, ये कुर्सी-पूजन कर्मकांड से ही कमा लेंगे। तो हम कुर्सी के लिए विशेष मंत्रोच्चार करेंगे, ताकि कुर्सी पर किसी की नजर न उलझे और इसमें नवग्रह-शक्ति का प्रयोग करके इसे और भी अजेय बनाया जा सके।

मंत्र इस प्रकार है- 'ॐ कुरसीयै नमः, ॐ बैठकाय स्थायिनमः सिद्धिं कुरु-कुरु स्वाहा।' इस मंत्र का अर्थ है कि कुर्सी पर बैठने वाले को स्थायित्व प्राप्त हो और कोई भी चुनावी हवा इसे उड़ा न सके। पंडित जी इस कुर्सी के चारों ओर लोभ, मोह, काम, क्रोध के फूल चढ़ाएंगे, जो राजनीति के जरूरी तत्व हैं।

अब पूजा का मुख्य आकर्षण- चढ़ावा।

चढ़ावे में मंत्री जी से अपने पूर्व वादों की माला, जनता के सपनों को चूर कर बनाए गए बुरादे की मिठाई, और विपक्ष की आलोचनाओं की धूप-बाती अर्पित करें। ये सब कुर्सी की सेवा में पेश करने से कुर्सी की ऊर्जा और बढ़ जाती है।

अंत में, सभी आरती उतारें, जिसमें कुर्सी के चारों ओर मीडिया के कैमरे और राजनीतिक समर्थकों की फ्लैश लाइट्स भी शामिल करें। ये सब प्रथम पूज्य देव हैं, जो आपकी कुर्सी को टिकाए रखने में मदद करेंगे। आरती के बाद सभी मिलकर प्रसाद रूप में 'सत्ता का स्वाद' मिश्रित मावे की मिठाई का भोग लगाएं।

कुर्सी पूजन के पश्चात माहौल को और उत्सवमय बनाने के लिए 'कुर्सी उत्सव' का आयोजन कर सकते हैं। इस आयोजन का प्रस्ताव और खर्च किए जाने वाले फंड को हाई लेवल मीटिंग में पहले ही स्वीकृत करवा लें। कुर्सी उत्सव को सालाना वार्षिक उत्सव की तरह ऑफिस प्रोसीडिंग में शामिल करवाया जा सकता है। कुर्सी के स्वागत के लिए एक विशेष 'कुर्सी रथ' का आयोजन किया जाए, जिसे समर्थकों द्वारा फूलों और गुब्बारों से सजाया जाए। इस रथ को उन चार नेताओं से खिंचवाया जाए, जिन्होंने आपकी कुर्सी को हथियाने में खींचातानी की थी। रथ यात्रा के दौरान बैंड-बाजे बजवाएं और 'कुर्सी महारानी की जय' के नारे लगवाएं।

कुर्सी की महिमा को बखान करते हुए, एक विशेष भक्ति-गीत को गवैयों से गवाया जाए, जिसमें गीत के बोल हो सकते हैं-'कुर्सी तेरे साथ में, सब कुछ अपने हाथ में।'

अगर दिल्ली तक आपकी पहुंच है, तो कृपया इस भक्ति गीत को भी लोकतंत्र के अधिकृत गीत की मान्यता दिलवा दें। इस बहाने गीत की रॉयल्टी मुझे मिलती रहेगी, तो मेरा भी रोटी-पानी का जुगाड़ हो जाएगा।

आप चाहें तो एक मजेदार 'कुर्सी दौड़' का आयोजन करवा सकते हैं, वैसे भी यह तो देश का राष्ट्रीय खेल घोषित हो जाना चाहिए था, अब तक। इस खेल में तो सभी नेता पहले से ही माहिर हैं, इसलिए ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं होगी।

सभी नेताओं को एबीएस अपनी-अपनी कुर्सियों पर बैठकर दौड़ना होगा। नेता बिना कुर्सी के अपंग हैं, दीन-हीन और बेसहारा हैं। आप उन्हें दौड़ाएंगे तो वे एक कदम भी न चल सकेंगे। यह बहुत मजेदार खेल होगा, देखना कि कैसे सभी नेता अपनी-अपनी कुर्सियों को धकेलते हुए फिनिश लाइन की ओर बढ़ रहे होंगे।

समारोह की अंतिम प्रतिस्पर्धा में, आप 'कुर्सी टग ऑफ वॉर' जैसा खेल रख सकते हैं या रूमाल-झपट्टा की तरह 'कुर्सी-झपट्टा' जैसा कोई खेल- यह आपकी मर्जी। कुर्सी को बीच में रस्से से बांध दीजिए, और फिर दोनों तरफ से दोनों गुटों के नेता रस्सी खींचें। *

अपना-अपना मुनाफा

महिला ने बड़े हुलस के साथ दुकानदार से पूछा, 'यह वाला हार कितने का है?' महिला की आंखों की चमक बता रही थी कि वह इस हार को लेकर ही रहेगी।

दुकानदार ने इस चमक को पढ़ लिया था। वह हार महिला की ओर बढ़ाते हुए बोला, 'तीन सौ रुपए!'

हार को हाथ में लेकर महिला ने उसे ललचाई आंखों से देखा। उलट-पलट कर ध्यान से उस मल्टी कलर हार का मुआयना किया। मन ही मन बोली, 'यह तो वही हार है, जो मैंने कुछ दिन पहले ऑनलाइन साइट पर देखा था। वहां इसकी कीमत 700 रुपए थी और यहां यह सिर्फ 300 में मिल रहा है। यानी आधे से भी कम कीमत पर। मुझे कुल 400 रुपए का फायदा हो रहा है।'

'भैया यह हार पैक कर दीजिए।' कहते हुए उसने तीन सौ रुपए पर्स से निकाल कर दुकानदार के सामने काउंटर पर रख दिए।

दुकानदार ने मन ही सोचा, 'यह हार तो मैं दो सौ का भी दे सकता था, लेकिन इस महिला ने कम करने को कहा ही नहीं। आज तो एक ही हार पर सौ रुपए का अतिरिक्त मुनाफा हो गया।' *

व्यापारियों ने खाद्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

- कृषक कल्याण कोष समाप्त करने और आढ़त बढ़ाने की मांग
- मंत्री ने दिया समाधान का आश्वासन

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। अनूपगढ़ व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कैबिनेट खाद्य मंत्री सुमित गोदारा से मुलाकात की। व्यापारियों ने विभिन्न समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय नागपाल ने कहा कि पूर्व सरकार द्वारा कोविड काल में लगाए गए कृषक कल्याण कोष को समाप्त किया जाए। इससे किसानों को राहत मिलेगी। उन्होंने समर्थन मूल्य पर चना और सरसों की खरीद कच्ची आढ़त वाले व्यापारियों से करवाने की मांग की। वर्तमान में बाजरे पर एक रुपया प्रति सैकड़ा की दर से आढ़त दी जा रही है। व्यापारियों ने महंगाई को देखते हुए इसे बढ़ाने की मांग की। एफसीआई द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद पर 41.40 रुपए प्रति क्विंटल आढ़त दी जा रही है। राजस्थान सरकार के अनुसार यह 2.25 प्रतिशत प्रति सैकड़ा होनी चाहिए। व्यापारियों ने इसे राज्य सरकार के नियम के अनुसार करने की मांग की। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने व्यापारियों की समस्याओं का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात में व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय नागपाल, उपाध्यक्ष अजीत सिंह धंजू, महासचिव दीपक गोयल, कोषाध्यक्ष शंकर लाल शर्मा और निर्देशक मनोज बागला उपस्थित थे।

श्रीगंगानगर-कोलकाता पैसेंजर सह पार्सल स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में 1 ट्रिप का विस्तार

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु श्रीगंगानगर-कोलकाता-श्रीगंगानगर पैसेन्जर सह पार्सल स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में 01 ट्रिप का विस्तार किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाडी संख्या 04731 श्रीगंगानगर-कोलकाता पैसेन्जर सह पार्सल स्पेशल रेलसेवा 05 मार्च 2025 को (01 ट्रिप) श्रीगंगानगर से बुधवार को 23.00 बजे रवाना होकर गुरूवार को जयपुर स्टेशन पर 16.00 बजे आगमन व 16.10 बजे प्रस्थान कर शनिवार को 08.50 बजे कोलकाता पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04732 कोलकाता-श्रीगंगानगर पैसेन्जर सह पार्सल स्पेशल रेलसेवा 09 मार्च 2025 को (01 ट्रिप) कोलकाता से रविवार को 09.05 बजे रवाना होकर सोमवार को जयपुर स्टेशन पर 19.20 बजे आगमन व 19.30 बजे प्रस्थान कर मंगलवार को 11.45 बजे श्रीगंगानगर पहुँचेगी। उन्होंने बताया कि यह रेलसेवा मार्ग में रायसिंह नगर, जैतसर, सूरतगढ, लूनकरनसर, लालगढ, बीकानेर, नापासर, श्रीडूंगरगढ, राजलदेसर, रतनगढ, चूरू, फतेहपुर शेखावाटी, लक्ष्मणगढ सीकर, रशीदपुर खोरी, सीकर, रींगस, चौमूं सामौद, जयपुर, खातीपुरा, दौसा, बांदीकुई, राजगढ, अलवर, गोविन्दगढ, डींग, मथुरा, आगराफोर्ट, टूण्डला, इटावा, कानपुर सेट्रल, फतेहपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, गया, पारसनाथ, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर व बर्द्धमान स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 07 द्वितीय शयनयान, 04 द्वितीय कुर्सीयान, 05 साधारण श्रेणी, 02 गार्ड व 02 पार्सलयान डिब्बो सहित कुल 20 डिब्बे होगे। इस रेलसेवा में पार्सल बुकिंग हेतु पार्सलयान की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

नौकर ने चुराया 32 तोला सोना, दोनों युवक गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

फाजिल्का। पंजाब में फाजिल्का के गांव सुरेशवाला में एक बड़ी चोरी का मामला सामने आया है। गांव के रहने वाले मुकेश कुमार के घर से 32 तोला सोने के जेवर और 15 हजार रुपए की नकदी चोरी कर ली गई। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में मुख्य आरोपी गोरा सिंह है, जो मुकेश कुमार के घर में रसोइया था। पुलिस अधिकारी रणजीत सिंह के अनुसार, गोरा सिंह ने 1 जनवरी 2025 को अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। गोरा सिंह ने चोरी का सामान अपने चचेरे भाई की मदद से घर पहुंचाया था। पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

फार्मर आईडी के लिए 4 एमएल में लगा कैंप, ग्रामीणों को मिला लाभ

जनमार्ग न्यूज

4 एम एल। ग्राम पंचायत 4 एम एल मुख्यालय पर आज किसान फार्मर आई डी हेतु केम्प लगाया गया। एग्रीस्टैक योजना के तहत प्रदेश में किसानों का डिजिटल डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इस योजना से किसानों को फसल बीमा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए बार-बार सत्यापन या रजिस्ट्रेशन नहीं कराना पड़ेगा। यह योजना केंद्र सरकार की डिजिटल कृषि पहल का हिस्सा है। इसमें हर किसान को 11 अंकों की विशिष्ट फार्मर आई डी दी जाएगी। योजना के तहत किसान का नाम, पिता का नाम, खेत का खसरा नंबर, मोबाइल और आधार नंबर जैसी जानकारी एकत्र कर फार्मर रजिस्ट्री आईडी तैयार की जा रही है। ग्राम पंचायत 4 एम एल क्षेत्र के किसान आज अटल सेवा केंद्र 4 एम एल मुख्यालय पर रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। डिजिटल डाटाबेस बनने के बाद किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त आसानी से मिलेगी। फसल बीमा का लाभ और खराबे की स्थिति में किसानों का चिन्हीकरण भी सरल होगा। पटवारी ओमप्रकाश भाम्भू ने बताया कि अभी मोके पर पंजीकरण किया जा रहा है आई डी बाद में वितरण की जाएगी। इस मौके पर पटवारी ओम प्रकाश भाम्भू,अमरजीत भाम्भू, अनिल लिम्बा, सीमा जी, रमेश लिम्बा, आदि ने अपनी सेवाएं दी और ग्रामीणों ने इस केम्प का भरपूर फायदा लिया।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) का सम्मान समारोह आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (ढ्ढ्रू) श्रीगंगानगर द्वारा कल संध्या केएलएम होटल में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ढ्ढ्रू अध्यक्ष डॉ. हरीश रहेजा ने की, जबकि मंच संचालन का दायित्व ढ्ढ्रू सचिव डॉ. संदीप सिहाग एवं डॉ. आदित्य पेरीवाल ने संयुक्त रूप से निभाया। उनकी प्रभावशाली प्रस्तुति से समारोह में गरिमा और उत्साह का अनूठा समावेश देखने को मिला। इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले प्रतिष्ठित चिकित्सकों को दो प्रमुख श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित सम्मान से डॉ. एस.एल. सिहाग एवं डॉ. मोहित टांटिया को अलंकृत किया गया। उन्हें यह सम्मान श्रीगंगानगर के स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रदान किया गया, जिससे क्षेत्रीय एवं राज्य स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। इस श्रेणी में डॉ. नरेश पेरीवाल, डॉ. एल.डी. भारद्वाज, डॉ. रूप सिदाना, श्री प्रेम बजाज, डॉ. दीपिका मौंगा एवं डॉ. संदीप चौहान को उनके चिकित्सा सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य एवं समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। ढ्ढ्रू श्रीगंगानगर द्वारा आयोजित यह भव्य समारोह चिकित्सा जगत में समर्पित डॉक्टरों की नि:स्वार्थ सेवाओं का सम्मान करने एवं समाज में उनके योगदान को सराहने का एक प्रेरणादायक प्रयास रहा।

एक रूपया और श्रीफल लेकर विवाह बंधन में बंधे राजीव सिंवर

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक मैं हेड कैशियर राजीव पुत्र देशराज सिंवर मैनावाली निवासी का विवाह बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में सहायक प्रबंधक अनु पुत्री निहालचंद कड़वासरा निवासी सतझंडा के साथ बिना दहेज के सम्पन्न हुआ। मैनावाली के सिंवर परिवार ने बेटी को ही दहेज माना और सुगन के तौर पर एक रुपए और नारियल लेकर शादी की पडे लिखे शिक्षित परिवार ने दहेज जैसी कुरीति को समाज में खत्म करने पर जोर दिया। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बलबीर बिश्नोई, रामस्वरूप नंबरदार दलीप कुमार, कृष्णकांत, वेद प्रकाश, रामनारायण सहारण, रामकुमार, सहदेव आदि उपस्थित थे।

संगठन पर्व निर्वाचन बैठक में प्रदेश प्रतिनिधि आत्माराम तरड़ हुए शामिल

- निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुने जाने पर मदन राठौड़ से व्यक्तिगत मिलकर शुभकामनाएं दी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। संगठन पर्व के निमित्त आयोजित प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य निर्वाचन बैठक में प्रदेश प्रतिनिधि के रूप में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष व पंचायत समिति पूर्व प्रधान आत्माराम तरड़ शामिल हुए। सर्वसम्मति से राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुने जाने पर आत्माराम तरड़ ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलकर शुभकामनाएं दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा प्रदेश में पार्टी की स्थिति और भी सुदृढ़ होगी। बैठक में राजस्थान प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित मंत्री, विधायक, नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष, प्रदेश प्रतिनिधि, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य मौजूद रहे। इस मौके पर श्रीगंगानगर से भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह, विधायक जयदीप बिहाणी, विजेन्द्र पूनिया, सारिका चौधरी, प्रदीप धेरड़, जुगल डुमरा, सुरेश मिश्रा, जगदीश मेघवाल आदि भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ के विकास पारीक जिलाध्यक्ष नियुक्त

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ श्रीगंगानगर के जिलाध्यक्ष पद पर समर्पित कार्यकर्ता विकास पारीक को नियुक्त किया गया है। विप्र फाउंडेशन प्रदेशाध्यक्ष धनसुख सारस्वत एवं प्रदेश महामंत्री प्रोफेसर अरविन्द गौड़ जोन 1-बी के आदेशानुसार विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष सुनील मिश्रा की अभिशंषा पर प्रदेश महामंत्री भरत कुमार शर्मा द्वारा विकास पारीक को जिलाध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया है। उनकी नियुक्ति मार्च, 2026 तक के लिए की गई है। उल्लेखनीय है कि वे विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से जुडकर समाज के सर्वांगीण उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास पारीक ने महत्वपूर्ण दायित्व सौंपने पर राष्ट्रीय, प्रदेश व जिला पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि विप्र समाज के 6 न्याती संवर्ग पदाधिकारियों, कार्यकारिणी से सहयोग लेकर जल्द ही विप्र फाउण्डेशन युवा प्रकोष्ठ श्रीगंगानगर की जिला स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा तथा शपथग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके साथ-साथ तहसील इकाइयों का भी गठन किया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत 8 पीएसडी-बी, पं. स. घड़साना (श्रीगंगानगर)

क्रमांक:- 432 **दिनांक:- 22.02.2025**

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय ग्राम पंचायत 8 पीएसडी- बी में श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्रवण कुमार जाति जाट साकिन 3 केएनडी-ए ने आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है कि ग्रा.पं. 8 पीएसडी-बी द्वारा संकल्प सं.08 बैठक दिनांक 05.09.2014 द्वारा आवासीय भूमि का पुस्तक सं. 40 पट्टा सं. 19 क्षैत्रफल 660 वर्गफुट (61.316 वर्ग मीटर) का जारी किया हुआ है। विक्रय विलेख (पट्टा) में अंकित उत्तर में खानूवाली रोड़, दक्षिण में छोटु खां, पूर्व में किशनलाल व पश्चिम में आशारानी स्थित है। राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 173 'क' के तहत प्रार्थीया उक्त पट्टे की भूमि उपयोग को आवासीय से वाणिज्यीक में संपरिवर्तन करवाना चाहती है। अत: उपरोक्त के संबंध में किसी नागरिक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो 30 दिवस में इस कार्यालय में मय सबूत प्रस्तुत कर सकते हैं अन्यथा ग्राम पंचायत द्वारा भूमि उपयोग में परिवर्तन नियमानुसार कर दिया जावेगा तथा बाद मियाद गुजरने किसी भी दावे/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

(तायरा बानो)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा.पं. 8 पीएसडी- बी

(गंगाबिशन पूनियां)
सरपंच
ग्रा.पं. 8 पीएसडी- बी

मृत्यु भोज की कुरीति के खिलाफ ढोली समाज के युवाओं की पहल

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। ढोली समाज के युवाओं ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मृत्यु भोज में अनावश्यक खर्च और आडंबर के विरोध में आवाज बुलंद की है। सोमवार को सुरेशिया गांव में आयोजित एक बैठक में समाज के युवाओं ने इस विषय पर गहन चर्चा की और संकल्प लिया कि समाज के किसी भी परिवार में मृत्यु होने पर मृत्यु भोज का विरोध किया जाएगा तथा सादगीपूर्वक केवल दाल-रोटी का सेवन ही किया जाएगा। बैठक में भन्ते धम प्रिय ने उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मृत्यु जीवन का एक स्वाभाविक चक्र है, जिससे कोई नहीं बच सकता। लेकिन मृत्यु पर होने वाले अनावश्यक खर्च और तड़क-भड़क से परिवार आर्थिक संकट में आ जाता है। उन्होंने कहा कि समाज में मृत्यु भोज के नाम पर मिठाई बांटना, सभी रिश्तेदारों को पैसे बांटना, नशीली वस्तुओं का सेवन करना, काजू-पिस्ता, बादाम बांटना, डीजे बजाना, शराब का सेवन करना और श्मशान घाट में पटाखे फोड़ने जैसी कुप्रथाएं चल रही हैं। भन्ते धम प्रिय ने इस अवसर पर कहा कि मृत्यु भोज पर 10 से 12 लाख रुपये तक रिश्तेदारों को बांटने में खर्च हो जाता है, जिससे परिवार पर कर्ज का बोझ बढ़ता है। यह पैसा बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए काम आ सकता है, लेकिन कुरीतियों के चलते इसे बर्बाद कर दिया जाता है। इस स्थिति में परिवार मजबूरी में उधार लेने को विवश हो जाता है, जिसका असर पीड़ियों तक रहता है। ढोली समाज के सुभाष ने बताया कि समाज में मृत्यु पर पैसे बांटने की कुप्रथा वर्षों से चली आ रही है। लोग समाज में अपनी छवि और मान-सम्मान के दबाव में इस प्रथा का पालन करते हैं, लेकिन इसका खामियाजा परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के रूप में भुगतना प?ता है। इस बैठक में समाज के युवाओं ने एकमत होकर यह निर्णय लिया कि मृत्यु भोज में सादगी रखी जाएगी और दाल-रोटी के अलावा किसी अन्य वस्तु का सेवन नहीं होगा। साथ ही, किसी भी प्रकार के अनावश्यक दिखावे का विरोध किया जाएगा। बैठक में उपस्थित युवाओं ने निर्णय लिया कि इस संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जाएगा और अन्य ग्रामीणों को भी इस मुहिम में शामिल किया जाएगा। युवाओं का मानना है कि इस पहल से समाज में शिक्षा का प्रसार होगा, लोग जागरूक होंगे और अपनी मेहनत की कमाई को सही दिशा में उपयोग कर सकेंगे। समाज के वरिष्ठ जनों और महिलाओं ने भी इस पहल का स्वागत किया और युवाओं के इस सकारात्मक कदम की सराहना की। सभी ने मिलकर यह प्रण लिया कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे और आने वाली पीड़ी को बेहतर भविष्य प्रदान किया जाएगा।

रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ वार्षिक उत्सव उड़ान - 2025 हुआ सम्पन

जनमार्ग न्यूज

श्री गंगानगर। एस एस बी रोड़, ऋन्न रिसोर्ट के पीछे स्थित एंबीशन पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव उड़ान 2025 रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। स्कूल निदेशक नीलकंठ मुंजाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट सुमेश शर्मा अपनी धर्मपत्नी भावना शर्मा के साथ उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी राजकुमार बाघला, विनोद राठौड़, शैलेंद्र सिंह चौहान, नंदन गुप्ता, अनिल शर्मा, शेरू कुमार, राधेश्याम गौड़, विपिन साखला,उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रानी सुभाष ने की। स्वागतकर्त्ता के रूप मे प्राचार्या पूजा मुंजाल, उप प्राचार्या सुरेखा गोरेया शामिल हुई।

गिद्दा भागडा वेस्टन डांस से जीवन्त हुआ मंच

एबिशन पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह उड़ान 2025 नये स्कूल

केंप्स बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। भारतीय परंपरा के अनुसार सभी अतिथियों का कार्यक्रम में पहुंचने पर तिलक कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत स्कूल के निदेशक नीलकंठ मुंजाल प्राचार्य पूजा मुंजाल द्वारा पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके उपरांत दीप प्रज्वलन के साथ बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसमें वेलकम सॉन्ग से लेकर पंजाबी जिद्दा तक के कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुमेश शर्मा ने कहा कि आज के परिवेश में बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक व धार्मिक संस्कार होना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मंच पर आकर अपनी बात कहना बहुत बड़ी बात है और यह बच्चे तो इतनी शानदार प्रस्तुतियां दे रहे हैं। उन्होंने बाल अधिकारिता व कानून के विषय में बताया। पूजा मुंजाल द्वारा स्कूल का वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ कर सुनाया। कार्यक्रम के अंत मे स्कूल प्रबंधन के द्वारा सभी अतिथियों को सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया।

तनिशा को राज्य पुरस्कार से नवाजा

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रयान कॉलेज फॉर हायर एजुकेशन की होनहार छात्रा तनिशा पुत्री मोहन लाल को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए राज्य पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान तनिशा को राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड जिला हनुमानगढ़ के तत्वावधान में आयोजित राज्य पुरस्कार समारोह में प्रदान किया गया। जयपुर में आयोजित इस भव्य समारोह में राजस्थान के महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागड़ी ने तनिशा को राज्य पुरस्कार रेंजर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। तनिशा ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण से न केवल अपने महाविद्यालय बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। जिला सर्किल ऑर्गेनाइजर भारत भूषण ने बताया कि तनिशा का चयन उसके अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान के आधार पर किया गया। तनिशा ने स्काउट एवं गाइड के विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने कार्यों से सबको प्रभावित किया। महाविद्यालय निदेशक करणवीर चौधरी और प्राचार्य डॉ. संतोष राजपुरोहित ने तनिशा की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उसे हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

गौशाला में राष्ट्रीय युवक परिषद का कार्यक्रम आयोजित किया

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। आज जंक्शन अबोहर रोड स्थित गौशाला में राष्ट्रीय युवक परिषद का कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रवीण जैन ने कि व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविंद गढ़वाल अधिशासी अभियंता, सुनीता भाटी अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी, उषा सोनी, सुरेंद्र यादव नगर परिषद आयुक्त, ईश्वर ओम बठंला थे। इस मौके पर नशे के खिलाफ जागृति अभियान चला कर नशे की रोकथाम पर अपने-अपने विचार रखें, इस मौके पर गौशाला में गोवंश के हरा चारा 9 किवंटल 60 किलो

डाला गया। इस मौके पर उषा सोनी को नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में नाटक में मां की भूमिका सर्वश्रेष्ठ अभिनय करने पर युवक परिषद द्वारा सम्मानित किया गया व जिला संस्कृति सचिव महिला विग के पद पर नियुक्त किया गया। इस मौके पर भजन संस्कृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गिरिराज शर्मा, शंकर सैनी व वीरेंद्र छापोला ने अपने मधुर वाणी से भजन व कविता प्रस्तुत कि। इस मौके पर युवक परिषद के सदस्य रामलाल कांवलिया, नाथूराम कलवा, रामगोपाल सेन, कुरड़ाराम,कृष्ण, कुणाल जाखड़, ओंकार सिंह, मास्टर ऋतिक आदि उपस्थित है।

पुष्प वर्षा कर किया कलश यात्रा का स्वागत

जय विवेक गौ सेवा समिति गौशाला में उत्साहपूर्वक गौ सेवा करने के लिए किया प्रेरित : मोनित साहू

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। मोहनपुरा रोड स्थित विवेक आश्रम मानव कल्याण समिति के 46वें वार्षिक महोत्सव पर संस्थापक स्वामी अनंतानंद महाराज के नेतृत्व में बाबा रामदेव मंदिर 4 जैड से निकाली गई कलश यात्रा का भाजपा अटल मण्डल कार्यकर्ता मोनित साहू के नेतृत्व में ग्रामवासियों द्वारा पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर मोनित साहु ने क्षेत्रवासियों से वार्षिक महोत्सव उपलक्ष्य विवेक आश्रम में दोपहर 12 से 3 बजे तक आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में

अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। इसके साथ-साथ उन्होंने गौ सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गाय की महिमा को अपरम्पार बताया तथा ग्रामवासियों से चक 4 जैड मोहनपुरा रोड स्थित जय विवेक गौ सेवा समिति गौशाला में उत्साहपूर्वक बढ़-चढकर गौ सेवा करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर भाजपा अटल मण्डल कार्यकर्ता मोनित साहू, सुनील भाटी, कुलदीप नायक, श्योपत राम, मूलाराम सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

मदन राठौड़ के प्रदेशाध्यक्ष चुने जाने खुशी जताई

पार्टी कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में बांधने तथा आमजन को भाजपा से जोड़ने की कार्यशैली की सराहना की

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। भाजपा एससी मोर्चा, श्रीगंगानगर ने राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के पुन निर्विरोध भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चुने जाने पर खुशी का इजहार किया है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला मंत्री पवन बागड़ी ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के गत सफल कार्यकाल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत हुआ है तथा आमजन का पार्टी से जुड़ाव बढ़ा है। अपनी ऊर्जावान व संगठन के प्रति समर्पित कार्यशैली की बदौलत कार्यकर्ताओं को एकसूत्र में बांधने तथा आमजन को पार्टी से जोडने़ के कारण आज पूरे राजस्थान में भाजपा का जनाधार बढ़ा है तथा पार्टी और अधिक मजबूत हुई है। जिला मंत्री पवन बागड़ी ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के कार्यकाल में केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के सक्रियतापूर्वक प्रचार-प्रसार से अंतिम छोर तक बैठा व्यक्ति भी लाभान्वित हुआ है तथा यह सिलसिला आगे भी निरन्तर जारी रहेगा। बागड़ी ने कहा कि मदन राठौड़ के पुन निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुने जाने से पार्टी कार्यकर्ताओं में नये जोश व उत्साह का संचार हुआ है।

सांसद जोशी बने संसद की याचिका समिति के सभापति

टीम में 13 अन्य सदस्य भी मनोनीत

जनमार्ग न्यूज

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी को एक बार लोकसभा में बड़ी जिम्मेदारी दी है। उनको संसद की लोकसभा में याचिका (पिटिशन) समिति का चेयरपर्सन बनाया गया है। यह खबर मिलते ही पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने खुशियों की लहर दौड़ गई। साथ ही सोशल मीडिया में बधाइयों का दौर चलने लगा। सांसद सीपी जोशी को संसद की 15 सदस्यीय लोकसभा की याचिका समिति का सभापति बनाया गया है। अन्य 13 सांसद को सदस्य बनाया गया है। जिनमें सदस्य सांसद एंटो एंटनी, मितेश पटेल बाकाभाई, सुखदेव भगत, राजू बिस्टा, गुरमीत सिंह, बस्तिपति नागराजू, डॉ.राजकुमार सांगवान, कमलजीत

शेहरावत, देवेश शाक्य, मंजू शर्मा, विष्णु दत्त शर्मा, अभय कुमार सिन्हा और राजमोहन उन्नीथन है। इसमें एक सदस्य का पद अभी भी खाली है। सांसद जोशी ने याचिका समिति के सभापति मनोनीत किए जाने पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार व्यक्त किया। इधर, यह खबर मिलते ही चित्तौड़गढ़ में बीजेपी नेताओं में खुशी की लहर दौर गई। लोग सांसद जोशी को फोन और सोशल मीडिया के जरिए बधाइयां देने लगे। लोकसभा की याचिका समिति एक जरूरी समिति है। इसके काम आम जनता की ओर से संसद में उठाई गई याचिकाओं पर विचार करना, याचिकाओं पर सरकार से राय मांगना, याचिकाओं पर रिपोर्ट देना, याचिकाओं के निपटान के लिए निर्देश देना, याचिकाओं से जुड़े मामलों में मंत्रालय के विचारों पर विचार करना, याचिकाओं के निपटान के लिए सभा में रिपोर्ट पेश करना, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना आदि है। सांसद जोशी वर्तमान में संसद की सार्वजनिक उपक्रम समिति और ऊर्जा समिति में सदस्य है। पूर्व में बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2022 बिल की संयुक्त समिति के सभापति भी रह चुके है। इसके अलावा सांसद जोशी बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष, भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष रह चुके है। काफी सालों से संघ से जुड़े है और लगातार तीन बार भारी मतों से चित्तौड़गढ़ के सांसद भी बने। एक बार भी पार्टी ने सांसद जोशी पर भरोसा जताया है।

बिहाणी एसडी कॉलेज में प्री युनिवर्सिटी की परीक्षाएं शुरू

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेठ जी.एल बिहाणी एसडी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्री युनिवर्सिटी की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो गई है। ये परीक्षाएं 4 मार्च तक चलेंगी। प्राचार्य डॉ. वरुण माहेश्वरी ने बताया कि बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित इस प्री युनिवर्सिटी परीक्षा से उन्हें मार्च में होने वाली फाइनल परीक्षा पेटर्न में मदद मिलेगी।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

भारत स्काउट गाइड में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार अवार्ड समारोह में एडवोकेट विनोद गोयल को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने धन्यवाद बैज से अलंकृत किया। राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार अवार्ड समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन जी आर्य (पूर्व मुख्य सचिव राजस्थान सरकार) ने श्रीगंगानगर जिले में भारत स्काउट गाइड हेतु उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने के साथ साथ ढांचागत विकास में सहयोग करने पर एडवोकेट विनोद गोयल अध्यक्ष स्थानीय संघ श्रीगंगानगर को राज्यपाल द्वारा धन्यवाद बैज से अलंकृत किया गया। एडवोकेट विनोद गोयल यह अवार्ड प्राप्त करने वाले जिले के प्रथम व्यक्ति हैं। सीओ स्काउट इंद्राज सुथार एवं सीओ गाइड मोनिका यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि स्काउट गाइड संगठन हेतु बेहतरीन कार्य करने वाले समाज सेवियों एवं भामाशाहों को राज्यपाल महोदय प्रति वर्ष राज्य पुरस्कार अवार्ड रैली में राज्य के नागरिकों को

सम्मानित किया जाता है। इसी कड़ी में जिला श्रीगंगानगर के एडवोकेट विनोद गोयल को गत दिवस जगतपुरा जयपुर में आयोजित अवॉर्ड रैली में धन्यवाद बैज से सम्मानित किया गया है। गोयल जी ने जिला श्रीगंगानगर से 1970 के दशक में राष्ट्रपति अवॉर्ड स्काउट भी प्राप्त किया है।। तत्कालीन समय में नार्वे में आयोजित विश्व जंबूरी में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर राजस्थान के साथ साथ जिला श्रीगंगानगर का भी मान बढ़ाया था। विनोद गोयल को राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित करने पर स्काउट गाइड संगठन के मुख्य जिला आयुक्त व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्रीगंगानगर अरविन्द्र सिंह, चेयरमैन बलदेव कृष्ण नागपाल, सचिव रामकुमार स्वामी, संयुक्त सचिव नीलम खुराना, कोषाध्यक्ष जगदीश, वाइस प्रेसिडेंट नितिन अग्रवाल व अश्विनी नागपाल, साधुराम भोभरिया, रतन भटनागर एडीसी प्रभारी, वरिष्ठ स्काउटर मनोहर लाल, राम सिंह, चुन्नीलाल पारीक, राजेंद्र सिंह पवार, प्रेम गंभीर, मोहन सोनी, सुरेश धींगड़ा, सुनील शर्मा, राजेन्द्र मक्कड़, शशि कुमार शर्मा, गोपी नागपाल, बजरंग शर्मा सहित समस्त पदाधिकारियों ने हर्ष जताया एवं इस उपलब्धि हेतु बधाई दी।

गुरुग्राम में शराब ठेके पर तोड़फोड़

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम जिले में 19 फरवरी की रात को न्यू कालोनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले किंग आफ वाइन ठेके पर तोड़फोड़ और लोगों पर बोतल फेंकने के मामले में पांच दिन बाद एफआईआर कर ली है। घटना के वक्त ठेके पर काफी संख्या में ग्राहक थे और हमला होते ही भगदड़ मच गई थी। पुलिस को दी शिकायत में शिवाजी नगर के रिषभ अरोड़ा ने बताया कि वह न्यू कॉलोनी मोड के नजदीक तिकोना पार्क वाले ठेके पर बतौर इंचार्ज नौकरी करता है। 19 फरवरी को रात को करीब 10.20 बजे वह अपने दोस्त अश्वनी के साथ अपनी कार में शादी का कार्ड बांटकर ठेके पर लौटे थे। उन्होंने अपनी गाड़ी ठेके के सामने खड़ी कर दी, जो पास में ही दूसरी गाड़ी खड़ी थी। जिसमे दो नौजवान व्यक्ति बैठकर शराब पी रहे थे। गाड़ी खड़ी करते समय उनकी कार के दरवाजे से उनकी गाड़ी थोड़ी सी टच हो गई। जिसकी वजह से उन्होंने गाली गलोच और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उनके तीन साथी और आए फिर उन्होंने ठेके में घुसकर

सेल्समैन प्रदीप और ग्राहकों को भी मारना पीटना शुरू कर दिया। साथ ही बोतलों को तोड़ फोड़ करते हुए लोगों के सिर पर मारी।जिसमें महंगी और इम्पोर्टेड शराब थी, जो कि 10 से 12 बोतल थी। जिनकी कीमत अंदाजन 70 से 80 हजार है। इसी दौरान हमारे सिर पर भी बोतलें मारी गई, जिसमें मुझे और मेरे दोस्त अश्वनी के सिर में चार से पांच टांके आए हैं। अश्वनी के गले में 32 ग्राम सोने की चैन थी, जो झगड़े के समय गले से गिर गई। आरोपियों के नाम राकेश पंडित है, जो शिव मूर्ति रेलवे रोड पर शराब की तस्करी करता है। जांच अधिकारी अशोक कुमार के मुताबिक सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। एफआईआर में उन्होंने बताया कि घायल लोग आर्यन अस्पताल चले गए थे। इस संबंध में पीड़ितों ने 20 फरवरी को लिखित में शिकायत दी थी। जो शिकायत के सार व एमएलआर के अध्ययन से मामला संदेहजनक लग रहा था, इसलिए जांच की गई। जांच में पता चला कि ठेका शराब के अन्दर आरोपी पक्ष के द्वारा बोतल उठाकर पीडित पक्ष के साथ मारपीट व नुकसान किया गया है, लेकिन किसी प्रकार की छीना झपटी का होना नहीं पाया गया। सही से इंवेस्टिगेशन करने के बाद एफआईआर दर्ज की गई है।

150 प्रोफेसर्स को छात्रों ने बंधक बनाया

जनमार्ग न्यूज

इंदौर। इंदौर के होलकर साइंस कॉलेज में सोमवार को छात्र नेताओं ने प्रिंसिपल समेत 150 से ज्यादा प्रोफेसर्स को 30 मिनट तक बंधक बनाए रखा। सभी को हॉल में बंद कर बाहर गेट पर लकड़ी फंसा दी ताकि कोई बाहर न आ सके।मेन स्विच ऑफ कर बिजली भी बंद कर दी। दरअसल, छात्र नेताओं ने कॉलेज कैम्पस में निजी कोचिंग से स्पॉन्सर्ड होली मिलन समारोह के पोस्टर लगाए थे। प्रिंसिपल डॉ. अनामिका जैन ने इन पोस्टर्स को हटवा दिया था। इसके बाद छात्र नेताओं ने प्रोफेसर्स को यशवंत हॉल में बंद कर दिया और बाहर नारेबाजी करने लगे। एक कर्मचारी ने हॉल की खिड़की से बमुश्किल बाहर निकलकर गेट खोला। इसके बाद प्रिंसिपल डॉ. अनामिका जैन ने कलेक्टर से मुलाकात कर घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कारणों से आयोजन की मंजूरी नहीं दी थी। बिना अनुमति लगे पोस्टर हटाए थे। किसी शर्मा कोचिंग को स्पॉन्सर बनाया गया था। प्रिंसिपल डॉ. अनामिका जैन ने बताया, कुछ दिन पहले कुछ छात्र नेता और एबीवीपी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने मैदान में 7 मार्च को होली सेलिब्रेशन की अनुमति मांगी थी। वे होली का सेलिब्रेशन बड़े स्तर पर करना चाहते थे। उन्हें समझाया था कि इस तरह का बड़ा आयोजन कॉलेज परिसर में करना उचित नहीं है, क्योंकि इससे माहौल बिगड़ सकता है। सोमवार को पूरे परिसर में शर्मा कोचिंग के सहयोग से आयोजन के पोस्टर लगा दिए गए, रेन डांस, एंट्री फीस और आयोजन की तारीख लिखी थी। कॉलेज प्रशासन ने इन्हें हटवाया तो छात्र नेताओं ने हंगामा शुरू कर दिया। यशवंत हॉल में मेंटर्स के लिए मीटिंग रखी गई थी। छात्रों ने पहले वहां नारेबाजी की, फिर बाहर से दरवाजे बंद कर दिए। इसके बाद वहीं के बैनर निकालकर उनके डंडों से गेट को जाम कर दिया और बिजली काट दी। यह अत्यंत अशोभनीय और अभद्र व्यवहार था। हम आधे घंटे तक अंधेरे में बैठे रहे। स्टूडेंट्स प्रिंसिपल रूम में भी आकर बहस और बदतमीजी करने लगे।

कुंभ यात्रियों की कार ट्रेलर से टकराई, 3 की मौत

7 घायल; मढ़ी गांव स्थित पूर्वांचल ढाबा के पास हादसा

जनमार्ग न्यूज

रीवा। रीवा के मनगवां थाना क्षेत्र के मढ़ी गांव स्थित पूर्वांचल ढाबा के पास सोमवार रात 10 बजे एक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में एक तेज रफ्तार कार जा घुसी, जिससे मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। जिनमें से 6 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, भोपाल पासिंग कार में सवार सभी लोग कुंभ मेले से लौट रहे थे। इसी दौरान ड्राइवर को झपकी लग गई, जिससे वह कार से अपना नियंत्रण खो बैठा और कार पीछे से खड़े ट्रेलर में जा घुसी। पुलिस के मुताबिक सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले तीन मृतकों में से दो मृतक आपस में चाचा-भतीजे हैं। शनिवार को चंपालाल कुंभ स्नान के लिए अपने भतीजे प्रतीक के साथ घर से निकला था। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया है। घायल राजकुमार यदुवंशी ने बताया कि गाड़ी में कुल 10 लोग सवार थे।

19 हजार रुपए में सिवनी से गाड़ी बुक की थी। हमने तय किया था कि प्रति व्यक्ति 1900 रुपए देगा। सभी लोग होशंगाबाद के रहने वाले हैं। मनगवां थाना प्रभारी वर्षा सोनकर ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है।

मृतकों के नाम: चंपालाल यदुवंशी, प्रतीक यदुवंशी, तुलाराम यदुवंशी, घायलों के नाम:अमरदास यदुवंशी, सियाराम यदुवंशी, मानसिंह यदुवंशी, रमेश लाल यदुवंशी, जितेंद्र यदुवंशी, राजकुमार यदुवंशी, श्याम सुंदर यदुवंशी।

सिंदूर से मांग भर रहा लड़का, वीडियो आते ही सामने आई असली सच्चाई

पूर्णिया (जनमार्ग न्यूज)। बिहार के पूर्णिया से एक नाबालिग प्रेमी जोड़े का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लड़की वीडियो में कह रही है कि उसने अपनी मर्जी से घर छोड़ा है और लड़के के साथ गई है। लड़के के परिवार पर अपहरण का आरोप लगा है, लेकिन लड़की इन आरोपों को खारिज कर रही है। मामला के नगर थाना क्षेत्र के बालूघाट इलाके का है।

दरअसल, यह मामला तब प्रकाश में आया जब लड़की का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में लड़की कह रही है कि उसे किसी ने जबरदस्ती नहीं भगाया है। वह अपनी मर्जी से घर से निकली है। एक दूसरे वीडियो में, वह लड़के से अपनी मांग में सिंदूर भरवाती भी दिख रही है। दोनों परिवारों के अनुसार, लड़का और लड़की दोनों ही नाबालिग हैं। लड़की के घरवालों ने लड़के और उसके चाचा समेत कुछ लोगों पर अपहरण का मामला दर्ज कराया है। लड़की के पिता संजय यादव का कहना है कि उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। वहीं दूसरी तरफ, लड़के के चाचा और वार्ड पंच श्रवण कुमार यादव ने सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि दोनों एक दूसरे को स्कूल लाइफ से ही जानते थे। दोनों ने पहले ही शादी कर ली थी और वीडियो बनाकर अपने पास रख लिया था। 15 फरवरी को मौका पाकर लड़की घर से भागकर लड़के के पास पहुंच गई और फिर दोनों भाग निकले। श्रवण कुमार यादव का दावा है कि इस पूरे मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है और उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। वह मेरे भाई का लड़का है, परिवार के पीठ पीछे लड़का क्या करता है इसकी जानकारी किसी को नहीं रहती है।

सेक्स सीडी कांड...भूपेश-विनोद-मुरारका कोर्ट में पेश

सीबीआई बोली-95 हजार में बनी मॉर्फ सीओ, दिल्ली में हुई कॉपी, जांच पर बहस, 4 मार्च को अगली सुनवाई

रायपुर (जनमार्ग न्यूज)। छत्तीसगढ़ के चर्चित सेक्स सीडी कांड केस में रायपुर कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट में पूर्व ष्टरू सीएम भूपेश बघेल और विनोद वर्मा पेश हुए। कोर्ट में हाजिरी देने के बाद भूपेश बघेल विधानसभा सत्र के लिए रवाना हो गए। अब अगली सुनवाई 4 मार्च को होगी। कोर्ट में मुख्य आरोपी कैलाश मुरारका, विनोद

वर्मा, विजय पांड्या और विजय भाटिया मौजूद रहे। इसके पहले 4 फरवरी को अलग-अलग कारणों से आरोपी कोर्ट नहीं पहुंचे थे। 7 साल बाद रायपुर कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुनवाई के बाद बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि कोर्ट में आज सीबीआई बनाम कैलाश मुरारका और अन्य के विरुद्ध जांच पर बहस थी। सीबीआई ने बहस पूरी कर ली है। 4 मार्च को अभियुक्त के वकील बहस करेंगे। लगभग सभी आरोपी कोर्ट में पेश हुए हैं। दरअसल, अक्टूबर 2017 में छत्तीसगढ़ में एक कथित सेक्स सीडी सामने आई थी। इसे कथित रूप से पूर्व मंत्री राजेश मूणत का बताया जा रहा था। रायपुर के सिविल लाइन थाने में इसका मुकदमा दर्ज हुआ। बाद में पुलिस दिल्ली से पत्रकार विनोद वर्मा को गिरफ्तार कर लाई थी। कांग्रेस इसे तत्कालीन सरकार की साजिश बताती रही। सितंबर 2018 में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष भूपेश बघेल को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर साजिश रचने का आरोप था। भूपेश बघेल ने जमानत लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश भर में भाजपा सरकार के खिलाफ

सड़कों पर उतर गई। इस गिरफ्तारी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नया जोश दिया। नवंबर 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में जीतकर भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने थे। 2017 में छत्तीसगढ़ में एक कथित सेक्स सीडी सामने आई थी। इसे कथित रूप से पूर्व मंत्री राजेश मूणत का बताया गया था।

कथित सेक्स सीडी कांड केस में कोर्ट ने मुख्य आरोपी कैलाश मुरारका, पूर्व ष्टरू के मीडिया सलाहकार रहे विनोद वर्मा, भूपेश बघेल, विजय पांड्या, विजय भाटिया को बनाया गया है। इस केस के एक आरोपी रिंकू खनूजा की मौत हो चुकी है। मामले में सीबीआई ने 2018 में चार्जशीट पेश की थी, लेकिन इस पर आगे कोई सुनवाई नहीं हुई थी। अब रायपुर कोर्ट में सीबीआई की चार्जशीट पर बहस चल रही है।

यूनियन कार्बाइड मामले में 27 फरवरी को अगली सुनवाई

इंदौर (जनमार्ग न्यूज)। मंगलवार को यूनियन कार्बाइड के

कचरे को जलाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई एक बार फिर आगे बढ़ गई। अब 27 फरवरी को पहले क्रम में इस मामले की सुनवाई होगी। इससे पहले, सोमवार को राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट में यह बताना था कि यदि पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का कचरा जलाने के दौरान कोई घटना होती है तो उसके पास क्या इंतजाम हैं और उसने इसके लिए क्या तैयारी की है। हालांकि, न्यायमूर्ति के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई। इसके बाद, याचिकाकर्ता ने तुरंत ही शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन दे दिया। 17 फरवरी को हुई सुनवाई में कोर्ट ने सरकार से इस संबंध में विस्तृत जवाब मांगा था। याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्र ने बताया कि सोमवार को सरकार को अपना जवाब पेश करना था, लेकिन न्यायमूर्ति बी.आर. गवई के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई। हमने तत्काल ही शीघ्र सुनवाई का आवेदन प्रस्तुत कर दिया था। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस आगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 3 दिसंबर 2024 और 6 जनवरी 2025 के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी। याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्र ने एडवोकेट सर्वम ऋतम खरे के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा कि वह पीथमपुर में 337 टन खतरनाक रासायनिक कचरे के निस्तारण को लेकर चिंतित हैं। निस्तारण स्थल से एक किलोमीटर के दायरे में कम से कम चार-पांच गांव स्थित हैं। इन गांवों के निवासियों का जीवन और स्वास्थ्य अत्यधिक जोखिम में है। यह उल्लेखनीय है कि %गंभीर नदी% औद्योगिक क्षेत्र के बगल से बहती है और %यशवंत सागर बांध% को पानी उपलब्ध कराती है।

शराब घोटाला...भाटिया वाइन सहित 8 नए आरोपी

रायपुर (जनमार्ग न्यूज)। छत्तीसगढ़ के शराब घोटाला केस में ईडी कोर्ट ने सोमवार को अनवर ढेबर की अर्जी को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने शराब निर्माता कंपनियों समेत 8 लोगों को आरोपी बनाया है और समन जारी किया है। इनमें मैन पावर सप्लायर सिद्धार्थ सिंघानिया, 3 शराब निर्माता कंपनी और शराब कारोबार से जुड़ी कंपनियों को कोर्ट ने तलब किया है। जेल में बंद अनवर ढेबर ने धारा 190 सीआरपीसी के तहत विशेष न्यायालय में आवेदन किया था। लंबी बहस के बाद कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया है। वहीं शराब घोटाला केस में अब शराब निर्माता कंपनियों की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। 28 फरवरी को ईडी कोर्ट में सुनवाई होगी।

आबकारी विभाग के अधिकारियों के खिलाफ भी होगी कार्रवाई

ईडी कोर्ट ने अपने ऑर्डर में लिखा है कि आबकारी विभाग के अधिकारियों के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन सेंक्शन अभी नहीं आया है। इसलिए जब प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट सेंक्शन हो

जाएगी, तब उनके खिलाफ भी जांच की जाएगी। आबकारी विभाग के अधिकारियों के खिलाफ भी ईडी कोर्ट से समन जारी हो सकता है।

ईओडब्ल्यू कोर्ट में 10 मार्च को होगी सुनवाई

ईडी कोर्ट के अलावा अनवर ने ईओडब्ल्यू कोर्ट में भी शराब निर्माता कंपनियों समेत 8 लोगों को आरोपी बनाने के लिए आवेदन लगाया है। सोमवार को इस मामले में सुनवाई टल गई है। अगली सुनवाई 10 मार्च को होगी

अब जानिए क्या है पूरा मामला ड़

दरअसल, शराब घोटाला केस में अनवर ढेबर ने शराब कंपनियों को भी आरोपी बनाने की मांग की थी। उनका कहना था कि, ईडी ने खुद कहा है कि, शराब निर्माताओं ने 1200 करोड़ कमाए तो फिर ईडी उन्हें क्यों बचा रही है? 3 शराब डिस्टलरी को आरोपी बनाने का आवेदन कोर्ट ने स्वीकार भी कर लिया है। इस आवेदन में भाटिया वाइन एंड मर्चेट प्राइवेट लिमिटेड, छत्तीसगढ़ डिस्टलरीज और वेलकम डिस्टलरीज फर्म और उनके मालिक के साथ अन्य लोगों को आरोपी बनाने की मांग है।

शराब निर्माता कंपनी ने 1200 करोड़ कमाए

छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले मामले में ईडी ने अपनी चार्टशीट में बताया था कि घोटाले में 1200 करोड़ रुपए की राशि शराब निर्माण कंपनियों ने कमाए हैं।

होटल के बेड पर कपल की डेडबॉडी मिली

दोनों की छाती में गोलियां लगीं

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। हरियाणा में गुरुग्राम के होटल में युवक-युवती की बिस्तर पर लाश मिली है। दोनों की छाती पर एक-एक गोली लगी है। पुलिस ने उनके बगल से ही पिस्टल भी बरामद की है। मरने वाली लड़की 24 फरवरी को घर से पेपर देने के लिए निकली थी, लेकिन घर नहीं लौटी। युवती कोमल (20) गांव शिकोहपुर की रहने वाली है। वहीं युवक पटौदी के गांव लोकरी का रहने वाला निखिल(23) है। मानेसर पुलिस के मुताबिक उन्हें होटल हवेली में कपल की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंची दोनों के शव कब्जे में लिए। होटल कर्मचारियों ने पूछताछ में बताया कि दोनों होटल के दूसरे फ्लोर के कमरा नंबर 303 में रुके हुए थे। जब पुलिस वहां पहुंची तो दोनों मृत हालत में बैड पर पड़े थे। लड़की के परिजनों का कहना है कि वह कल गांव से गुरुग्राम पेपर देने के लिए गई थी और रात तक घर नही पहुंची है। परिजनों को लड़की कोमल की लोकेशन हवेली होटल मानेसर नजदीक ह॥-48 (मानेसर) में होने के बारे में पता चला था। मानेसर थाना प्रभारी सतेंद्र ने बताया कि दरवाजा अन्दर से बंद था। दोनों की छाती पर एक-एक गोली लगी हुई थी। कमरे में 315 बोर का देसी पिस्टल मिला है। पुलिस की टीमें बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया है। शुरुआती जांच में यह मामला सुसाइड का लग रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दोनों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए सेक्टर 10 के सरकारी अस्पताल में भिजवा दिए गए हैं।

हनुमानगढ़ जमीन बहुत उपजाऊ है, इसका विकास होगा तो राजस्थान का विकास होगा

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। अनुसूचित जाति वित्त और विकास आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत आईएएस अधिकारी राजेन्द्र कुमार नायक का कहना है कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो कहती है वह करती है। बजट घोषणाओं को त्वरित रूप से लागू करने की कोशिश की जा रही है। बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए सरकार की ओर से पूरे प्रदेश के जिलों में अपने-अपने प्रतिनिधि भेजे गए ताकि राजस्थान को अग्रणी राज्यों में शामिल किया जा सके। सोमवार को हनुमानगढ़ आगमन के दौरान भारतीय जनता पार्टी की ओर से जंक्शन में सुरेशिया, वार्ड 59 में प्रदीप कड़वा के निवास पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में आयोग अध्यक्ष ने कहा कि वे भाजपा के कार्यकर्ता भी हैं। पार्टी पदाधिकारियों व जनता से मिलने, एससीएसटी की परेशानियों को सुनने सहित उनके कई उत्तरदायित्व हैं। उन परेशानियों को सुनकर आवश्यक कार्रवाई की जाती है। हनुमानगढ़ के सन्दर्भ में आयोग अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक ने कहा कि यहां की जमीन बहुत उपजाऊ है। कई चीजें हैं। इसका विकास होगा तो राजस्थान का विकास होगा। राजस्थान का

विकास होगा तो हिन्दुस्तान का विकास होगा। एक सवाल के जवाब में आयोग अध्यक्ष ने कहा कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय में राजस्थान पूरे हिन्दुस्तान का सबसे भ्रष्ट राज्य माना गया था। गहलोत राज में एससीएसटी पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुआ। आज बीजेपी की भजनलाल सरकार दिल्ली से लेकर राजस्थान तक इन मामलों पर बहुत ही मुस्तैदी के साथ काम कर रही है। यह वही जगह है जहां नायक समाज की दो बच्चियों के साथ गैंगरेप हुआ। तत्काल एक्शन लिया गया और आरोपी हरियाणा में पकड़े गए। पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए राजस्थान सरकार के एक्टिव होने के चलते आरोपी तत्काल पकड़े गए। इससे संदेश जाता है कि कोई अपराध करेगा तो बीजेपी सरकार उसको स्वीकार नहीं करेगी। स्वागत कार्यक्रम में भाजपा नेता अमित सहू, प्रदीप कड़वा, मनप्रीत सैनी, मनसुखजीत सिंह बंगा, जसविन्द्र धालीवाल, ओमप्रकाश नायक, मलकीत सिंह, रतन वाल्मीकि, सुमेर सिंह, यासिन खान, लखवीर सिंह, लालचन्द, पालाराम, अमरजीत शाक्य, रवि सिंगीकाट, मनोज वर्मा, राजकुमार बागोरिया, प्रेम पेशवानी, तेजाराम नायक, अमृतपाल, विजय शोभराज, रणवीर नायक, मदन कड़वा, अश्विनी श्रीवास्तव, लोकेश शर्मा, रामकुमार सेवटा, आनन्द मोहन शर्मा, नमेन्द्र सिंह, रानी कौर, चन्दादेवी, मिथलेश आदि मौजूद थे।

आचार संहिता के बावजूद अवैध होर्डिंग्स

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। गुरुग्राम में नगर निगम चुनाव के चलते आचार संहिता लागू है, इसके बावजूद शहर में बिना अनुमति के बड़ी संख्या में पोस्टर, बैनर और होर्डिंग लगाए गए हैं। हालांकि, कुछ जगहों पर होर्डिंग हटाने के लिए टीमें भेजी गई हैं। अब शहरवासियों ने सोशल मीडिया पर नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ अपना गुस्सा निकालना शुरू कर दिया है। लोग यहां तक पोस्ट कर रहे हैं कि निगम अधिकारी और कर्मचारी मिलकर खेल खेल रहे हैं और जानबूझकर इन्हें नहीं हटा रहे हैं। नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर बलप्रीत सिंह ने पांच दिन पहले 20 फरवरी को सार्वजनिक सूचना जारी की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि विभिन्न राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और समर्थकों ने नगर निगम चुनावों के मद्देनजर शहर भर में स्ट्रीट लाइटों, सार्वजनिक भवनों, बिजली के खंभों, पेड़ों, फ्लाई ओवरों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध रूप से पोस्टर, बैनर और होर्डिंग्स चिपका दिए हैं। उन्होंने स्वैच्छिक रूप से अपने अनाधिकृत राजनीतिक पोस्टर, बैनर और होर्डिंग हटाने की अपील की गई, लेकिन इस सूचना का असर किसी पर नहीं पड़ा। बल्कि इन पांच दिनों में दो गुना ज्यादा प्रचार सामग्री शहर में लगा दी गई।

बिहाणी लॉ कॉलेज के तीन विधि छात्रों ने मूटकोर्ट कॉम्पीटिशन में प्रतिभा का किया प्रदर्शन

● तीन विद्यार्थियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन कर हासिल किए प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेठ जी.एल. बिहाणी एसडी पीजी लॉ कॉलेज के तीन विद्यार्थियों ने मूटकोर्ट कॉम्पीटिशन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्मृतिचिन्ह और प्रशस्तिपत्र प्राप्त किए। बिहाणी शिक्षा ट्रस्ट के महासचिव हिमांशु बिहाणी ने मंगलवार को तीनों विधि छात्रों अभिनंदन गुलेरिया, सिमरणदीप कौर और अंजली को बधाई देते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की। डॉ. एस.एस.टांटिया मूटकोर्ट कॉम्पीटिशन 2025 में हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर जिले से प्रतिनिधित्व करने वाला बिहाणी लॉ कॉलेज एक मात्र विधि महाविद्यालय था। नेशनल मूटकोर्ट कॉम्पीटिशन में सात अलग - अलग राज्यों से 78 विधि छात्रों के अलावा देश के विभिन्न भागों से 50 विधि विशेषज्ञ, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के न्यायाधीश, अधिवक्ता, सेशन कोर्ट के जजों आदि ने भाग लिया। विधि के छात्र अभिनंदन गुलेरिया ने कहा कि उनके लिए इस तरह के मूटकोर्ट कॉम्पीटिशन में भाग लेने का पहला मौका था। सिमरणदीप कौर और अंजली ने कहा कि मूटकोर्ट कॉम्पीटिशन में उनकी टीम ने मानववध और एसिड अटैक पर सार्थक पैरवी की। इन विधि छात्रों को मूटकोर्ट के लिए तैयारी सहायक प्रोफेसर साक्षी मल्होत्रा ने कराई थी। तीनों विधि छात्रों ने बिहाणी शिक्षा ट्रस्ट के महासचिव हिमांशु बिहाणी से अपने अनुभव भी सांझा किए। इस अवसर पर निदेशक राजेंद्र राठी, अकादमिक निदेशक डॉ. कविता चौधरी, लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रिशुदेव बंसल सहायक प्रोफेसर साक्षी मल्होत्रा मौजूद थीं।

डॉ. विश्वास भारत पुरस्कार से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज टांटिया यूनिवर्सिटी के विभागाध्यक्ष व प्रोफेसर डॉ आरके विश्वास को नई दिल्ली में अखिल भारतीय चिकित्सक एसोसिएशन द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित भव्य समारोह में भारत पुरस्कार से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। होम्योपैथिक चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने श्री हेतु चार बार मेंबर ऑफ पार्लियामेंट तथा स्पोर्ट्स मिनिस्टर रहे व गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष विजय गोयल, कमिश्नर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अनीता वर्मा, डायरेक्टर जनरल बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स पी के मिश्रा, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ होमियोपैथी के ऑफिसर इंचार्ज डॉ सुभाष चौधरी, सोशल यूनिवर्सिटी नई दिल्ली के वाइस चांसलर योगेश व एबीसीए अध्यक्ष डॉ. डीसी प्रजापति द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

नशे में मुंह से काटने पर विवाद

जनमार्ग न्यूज

फाजिल्का। पंजाब के फाजिल्का जिले के गांव मुंबेके में शराब के नशे में बड़क मारने का विरोध करने पर एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं। पीड़ित को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अभी तक लिखित में कोई शिकायत नहीं दी गई है। जानकारी के अनुसार पीड़ति गुरमीत सिंह ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले युवक अक्सर शराब पीकर बड़क मारते हैं। मामले में पहले पंचायत स्तर पर समझौता भी हुआ था, लेकिन युवकों ने फिर से शराब पीकर उपद्रव मचाना शुरू कर दिया। गुरमीत सिंह के अनुसार पड़ोसियों की एक लड़की ने कोर्ट मैरिज की थी।

खाटूश्यामजी लक्खी मेले में जा रही रोडवेज बस बनी आग का गोला

जनमार्ग न्यूज

सीकर। जयपुर से खाटूश्यामजी जा रही एक रोडवेज बस में सीकर जिले के बॉर्डर के पास सरगोठ में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने की भनक लगते ही बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने बस को साइड में रोककर सवारियों को सकुशल बाहर निकाल लिया। बस में 47 यात्री सवार थे। बस परिचालक गिरधारी लाल यादव ने बताया कि बस में सवार सभी यात्री खाटूश्यामजी जा रहे थे। सीकर बॉर्डर सरगोठ से कुछ मीटर पहले बस के इंजिन में धुआं महसूस हुआ। इस पर उसने तुरन्त ही ड्राईवर को जानकारी दी और सवारियों को सही सलामत बिना भय के उतारने की सलाह दी। इस पर बॉर्डर पर बस को एक साइड में रोक कर एक-एक सवारियों को बाहर निकाल कर कुछ आगे होटलो में बैठने को कहा गया। इस पर यात्रियों ने तुरन्त सामान बाहर निकाल कर कुछ दूरी पर चले गए इतने में बस में आग की लपटें जोर पकडने लगी। पास के एक खेत से पानी की मोटर चलाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। इसके बाद मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंच गई।

टाटा–एयरटेल के डीटीएच कारोबार का मर्जर होगा

नई दिल्ली (जनमार्ग न्यूज)। भारती एयरटेल अपने डीटीएच बिजनेस, एयरटेल डिजिटल टीवी को टाटा प्ले के साथ मर्ज करने जा रहा है। अगर यह मर्जर होता है तो 2016 में डिश टीवी के वीडियोकॉन डी2एच के साथ विलय के बाद भारत के डीटीएच सेक्टर में यह सबसे बड़ा मर्जर होगा। न तो भारती एयरटेल और न ही टाटा संस ने विलय पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी की है, लेकिन सूत्रों से संकेत मिलता है कि घोषणा कुछ हफ्तों के भीतर आ सकती है। दोनों पक्ष महीनों से इसपर बातचीत कर रहे हैं। द इकोनॉमिक टाइम्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। यह मर्जर शेयरों की अदला-बदली के जरिए होगा। एयरटेल के पास 52-55 प्रतिशत की बहुमत हिस्सेदारी होगी, जबकि टाटा संस और वॉल्ट डिज़्नी सहित टाटा प्ले के शेयरहोल्डर्स 45-48 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेंगे। यह एक नॉन-बाइंडिंग डील होगी।

खड़े टैंकर से टकराई कार, एक की मौत

जनमार्ग न्यूज

उदयपुर। उदयपुर में देर रात हुए एक सड़क हादसे में गुजरात के व्यक्ति की मौत हो गई। तेज स्पीड में आ रही कार खड़े टैंकर से टकरा गई। हादसे में उनकी पत्नी भी गंभीर घायल हो गई। हादसा उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में रात करीब 11 बजे हुआ। हादसा इतना भयंकर था कि कार के आगे का आधा हिस्सा टैंकर की टक्कर के बाद बिखर गया। इसमें मृतक हरेश कुमार रामलाल (52) का शव भी पिचक गया। वहीं हादसे में उनकी पत्नी वर्षा वेन (48) गंभीर घायल है। थाना अधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि मृतक हरेश कुमार गुजरात के गांधीनगर पंचवटी एरिया कॉलोनी के रहने वाले थे। रात में वे चित्तौड़गढ़ से गुजरात जा रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि टैंकर खराब हो गया था। ऐसे में ड्राइवर ने एयरपोर्ट के पास स्थित कोटा कचौरी की दुकान के पास उसे पार्क कर दिया था। ऐसे में स्पीड में आ रहे कार सवार हरेश कुमार खड़े टैंकर से टकरा गए। हादसे में उनकी मौत हो गई। थाना अधिकारी ने बताया कि कार के आगे का आधा हिस्सा टैंकर में फंस गया था। धमाके की आवाज सुन आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और पति-पत्नी दोनों को बाहर निकालने का प्रयास किया। लेकिन, टक्कर की वजह से कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। ऐसे में लोगों को इन्हें निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

विद्यार्थियों को दी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की जानकारी

● राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बगीचा में कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

बगीचा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बगीचा में आज मंगलवार को प्रातः प्रार्थना सभा में कार्यक्रम प्रभारी मनीष कुमार द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन की जानकारी विद्यार्थियों को की गई। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 27 और 28 फरवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बगीचा में आयोजित किया जाएगा जिसका पोस्टर विमोचन आज प्रार्थना सभा में प्रधानाचार्य राकेश कुमार बंसल और स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राकेश कुमार बंसल ने व्याख्याता मनीष कुमार द्वारा बनाई गई ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का लिंक भी जारी किया गया जिस विद्यार्थी घर बैठे ही प्रश्नोत्तरी को हल करके राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। 27 फरवरी को विद्यालय में विज्ञान से संबंधित प्रयोग गतिविधियां ओर लिखित विज्ञान प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाएगी। 28 फरवरी को व्याख्याता मनीष कुमार और विज्ञान अध्यापक वेद प्रकाश के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए विज्ञान मॉडल और पोस्टर की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसी तरह व्याख्याता मनीष कुमार द्वारा वैज्ञानिक सीवी रमन पर एक व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के व्याख्याता मनीष कुमार भोभरीया, वरिष्ठ अध्यापक वेद प्रकाश, आरती बोहित, मुखराम, अध्यापक राजकुमार , वंदना कच्छावा ,देवीदत्त, दिलीप कुमार, पवन कुमार ,गुरप्रीत सिंह, पंकज डागला ओर मुकेश कुमार उपस्थित थे। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रभारी व्याख्याता मनीष कुमार ने बताया की राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान से होने वाले लाभों के प्रति समाज में जागरूकता लाने और वैज्ञानिक सोच पैदा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में हर साल 28 फरवरी को भारत में मनाया जाता है।

जहां रीट का एग्जाम, वहां स्कूल की छुट्टी

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। राज्य के जिन सरकारी व प्राइवेट स्कूलों को राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) का सेंटर बनाया गया है, वहां 27 व 28 फरवरी को अवकाश रहेगा। जहां एग्जाम सेंटर नहीं है, वहां स्कूल हर रोज की तरह लगेगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। दरअसल,राजस्थान के सभी जिलों में इन दो दिनों में रीट के एग्जाम होने हैं। ऐसे में स्कूल में परीक्षा करवाने के लिए छुट्टी की घोषणा की गई है। न सिर्फ स्कूल बिल्डिंग बल्कि टीचर्स भी इस एग्जाम में व्यस्त रहेंगे। इन सेंटर पर काम 26 फरवरी से ही शुरू हो जाएगा, लेकिन इस दिन छुट्टी नहीं होगी। सेंटर पर क्लास रूम में रोल नंबर के हिसाब से सीटिंग की व्यवस्था करने सहित अनेक काम एक दिन पहले होता है। जिन सेंटर पर एग्जाम है, वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाता। ऐसे में सभी स्कूलों की छुट्टी करना ही एकमात्र विकल्प है। स्कूलों में छुट्टी का प्रस्ताव एग्जाम कॉर्डिनेटर ने पहले ही दे दिया था, लेकिन आदेश अब जारी हुआ है।

परीक्षा के मद्देनजर ध्वनि नियंत्रण अधिनियम के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिला श्रीगंगानगर में वर्ष 2025 में सीबीएसई/माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं महाविद्यालयों की परीक्षायें होने जा रही हैं। छात्र शान्तिपूर्वक अध्ययन कर अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें, इसके लिये वातावरण कोलाहल मुक्त रखा जाना आवश्यक है। इसके तहत परीक्षा के मद्देनजर वातावरण कोलाहल मुक्त रखने के लिये जिला मजिस्ट्रेट की ओर से ध्वनि नियंत्रण अधिनियम के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. मंजू ने राजस्थान ध्वनि नियंत्रण (नोयसेंस कंट्रोल) अधिनियम 1963 की धारा 5 एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किया है। आदेशानुसार जिला श्रीगंगानगर में प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों (जिसमें कोलाहल उत्पन्न हो) का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक उक्त अधिनियम में पूर्व में ही प्रतिबंधित है। शादी समारोह, सामाजिक समारोह में रातभर ध्वनि विस्तारक यंत्र बजते रहते हैं, जो कतई उचित नहीं है, इसे रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक पूर्णत बंद रखा जाये तथा उक्त उपरांत धीमी गति में, अनुमत डेसीबल की तीव्रता तक ही ध्वनि विस्तारकों का उपयोग हो। धार्मिक स्थलों पर भजन, कीर्तन, आरती, प्रवचन इत्यादि प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ही किये जाये। कानून में अनुमत ध्वनि तीव्रता के अनुसार ही स्पीकर, ध्वनि विस्तारक सौम्य ध्वनि के साथ बजाया जाये। मंदिर, मस्जिद एवं गुरूद्वारों में क्रमशः आरती, भजन एवं शब्द कीर्तन के समय एवं शादी विवाह में निकासी व ढुकाव आदि कार्यक्रमों में प्रतिबंध लागू नहीं होगा, परन्तु धीमी गति से ही ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग किया जा सकेगा। डीजे का उपयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। अत्यन्त विशेष परिस्थितियों में ध्वनि प्रसारण यंत्रों की इजाजत देने हेतु संबंधित उपखण्ड मजिस्ट्रेट अधिकृत रहेंगे। इस आदेश का उल्लंघन करने पर पुलिस प्रशासन अथवा उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार द्वारा राजस्थान कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1963 की धारा 6 के अंतर्गत कार्यवाही एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दण्डित कराने की कार्यवाही की जावेगी। उक्त आदेश जारी दिनांक से आगामी दो माह की अवधि तक प्रभावी रहेगा।

जानलेवा हमले का आरोपी प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जानलेवा हमले के मामले में एक युवक को केंद्रीय कारागृह से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है। चूनावढ़ पुलिस आरोपी से वारदात के संबंध में पूछताछ कर रही है। जांच अधिकारी एएसआई कंवरपालसिंह राठौड़ ने बताया कि अनूपगढ़ निवासी युवक गौरव उर्फ गोरू को गिरफ्तार किया गया है। यह वारदात 19 दिसंबर को दोपहर में चूनावढ़ में की गई थी। आरोपी सहित कई अन्य ने चूनावढ़ निवासी सुरेश और कुनाल पर चाकू, तलवार और लाठियों से हमला किया था। इस दौरान बीच-बचाव करने आई सरपंच निशा चुघ को भी चोटें मार दी थीं। इसमें सभी आरोपी अज्ञात थे। इसलिए मुकदमा अज्ञात हमलावरों के खिलाफ दर्ज हुआ था। घटनास्थल के निकट के कैमरे के फुटेज मिल गए थे। इसका विश्लेषण किया तो आरोपियों की पहचान हुई।

पाकिस्तान ने बॉर्डर के नजदीक बनाया बंकर

● फ्लैग मीटिंग में बीएसएफ ने जताई आपत्ति ● पाकिस्तान ने बताया ये तो टॉयलेट है

जनमार्ग न्यूज

बाड़मेर। पश्चिमी राजस्थान से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पाक की ओर से लगातार इंटरनेशनल नियमों की अनदेखी कर रहा है। बाड़मेर के गडरा इलाके में बॉर्डर के 150 मीटर अंदर पाक ने अवैध निर्माण कर बंकर बना दिया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने फ्लैग मीटिंग में आपत्ति जताई तो जवाब मिला- ये टॉयलेट है। बीएसएफ के आईजी राज कुमार ने बताया कि जीरो लाइन पर निर्माण करना गलत है। दरअसल, राजस्थान से लगते कई बॉर्डर इलाकों में पाक रेंजर्स की एक्टिवटी लगातार बढ़ रही है। करीब 15 दिन पहले मुनाबाव-खोखरापार (वर्तमान मोरवी) इंटरनेशनल रेलवे लाइन के नजदीक भी पाक टूरिस्टों के बड़े ग्रुप को देखा गया था। बीएसएफ के सूत्रों ने बताया कि जीरो लाइन इतना नजदीक है कि पाक रेंजर्स इस बंकर से इंडिया की एक्टिवटी देख सकते हैं। गडरा रोड इलाके में ये पूरा निर्माण इंटरनेशनल नियमों की अनदेखी कर कराया जा रहा है। फरवरी के पहले वीक से इस तरह का कंस्ट्रक्शन हो रहा है। हालांकि, पाक रेंजर्स इसे टॉयलेट बता रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान ने सिंध इलाके पर एक्स्ट्रा ध्यान देना शुरू कर दिया है। साल 2019 से थार एक्सप्रेस बंद होने से अब तक ये पूरा इलाका वीरान ही रहा है। मोरवी स्टेशन या उससे आगे के क्षेत्र में भी पाक रेंजर्स बहुत ही कम नजर आते थे। हालांकि, पिछले कुछ महीने से वीरान पड़े इस इलाके में पाकिस्तान की ओर रेल चलने के साथ रेस्टोरेंट के निर्माण भी शुरू हो गए हैं।

रीट परीक्षार्थियों के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा रीट परीक्षा 2025 में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों को सुगम व सुरक्षित सफर के लिए रीट परीक्षा स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 04811 / 04812, जोधपुर - ग्वालियर-ढेहर का बालाजी (जयपुर) रीट परीक्षा स्पेशल रेलसेवा एक ट्रिप में संचालित होगी। गाडी संख्या 04811, जोधपुर-ग्वालियर रीट परीक्षा स्पेशल रेलसेवा जोधपुर से 25 फरवरी को 23 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 04 बजे आगमन व 04.10 बजे प्रस्थान कर 12.30 बजे ग्वालियर पहुंचेगी।

अंतरराष्ट्रीय रोटरी दिवस पर शिवशंकर वशिष्ट को गवर्नर बनने पर किया सम्मानित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। रोटरी क्लब रिद्धि सिद्धि का 120वां रोटरी दिवस हर्षोल्लास से बनाया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब रिद्धि सिद्धि परिवार के समस्त सदस्यों ने रोटरी के इतिहास पर चर्चा की और आगामी योजनाओं के बारे में रूपरेखा तैयार की। इस अवसर पर रोटरी क्लब रिद्धि सिद्धि के अध्यक्ष डॉ नरेश गर्ग सचिव डॉ राकेश आसेरी कोषाध्यक्ष अमित सिंगल ने अपने विचार रखें साथ ही रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3090 के वर्ष 27-28 के लिए पंजाब हरियाणा व पश्चिम राजस्थान के सभी रोटेरियन द्वारा निर्विरोध गवर्नर निर्वाचित होने पर श्रीगंगानगर के रोटेरियन शिव शंकर विशिष्ट का सम्मान सत्कार किया गया। चयनित डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूरे संसार को विभिन्न जिलों में बांटा गया है और अपना यह क्षेत्र जिसमें हरियाणा पंजाब और राजस्थान के कुछ क्षेत्र मिलकर अंतरराष्ट्रीय रोटरी जिला 3090 में आता है ,इसमें लगभग 140 के करीब क्लब है और 3000 से ज्यादा सदस्य हैं। ऐसे में वर्ष 2027 -28 के लिए गवर्नर पद के लिए श्रीगंगानगर के रो.शिव शंकर वशिष्ठ का निर्विरोध निर्वाचित होना पूरे गंगानगर के लिए गर्व की बात है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692